राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 81 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | रायपुर, गुरूवार 15 मई 2025 | www.samaydarshan.in

औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में बड़े बदलाव

युवाओं, किसानों, उद्यमियों और निवेशकों को मिलेगा सीधा लाभ

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य को देश का अगला औद्योगिक और रोजगार हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में कई अहम संशोधनों को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया, जो आने वाले वर्षों में राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को नई दिशा देगा।

स्थानीय युवाओं को मिलेगा प्राथमिकता, बढ़ेगा रोजगार

संशोधित नीति के अनुसार, जिन उद्योगों में छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार मिलेगा, उन कंपनियों को सरकार की ओर से विशेष अनुदान मिलेगा। इससे स्थानीय रोजगार दर में तेज़ी आएगी और पलायन पर भी अंकुश लगेगा।

आधुनिक खेती को मिलेगा संस्थागत समर्थन

हाइड्रोपोनिक और एयरोपोनिक जैसी हाईटेक फार्मिंग तकनीकों को औद्योगिक क्षेत्र में शामिल कर किसानों को आधुनिक उपकरण, ऑटोमेशन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसी तकनीकों से जोड़ा जाएगा। इससे खेती की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ेगी।

खेल प्रशिक्षण और अकादमियों को प्रोत्साहन

राज्य सरकार खेल और युवा सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती हुई खेल अकादमी और निजी प्रशिक्षण केंद्रों को प्रोत्साहन देगी। इससे न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच मिलेगा, बल्कि स्पोर्ट्स इंडस्ट्री का विकास भी होगा।

उच्च शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालयों की स्थापना को प्रोत्साहन देकर छत्तीसगढ़ को शैक्षणिक हब के रूप में भी विकसित करने की योजना है। इससे राज्य के छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा के अवसर यहीं उपलब्ध होंगे।

ऑटोमोबाइल सेक्टर को विस्तार

अब ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग एवं सर्विस यूनिट्स को हर विकासखंड समूह में मान्यता दी जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी तकनीकी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पर्यटन और होटल व्यवसाय को नई उड़ान

बस्तर और सरगुजा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में होटल-रिसॉर्ट के निर्माण हेतु निवेश की न्यूनतम सीमा कम की गई है। इससे इन इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं को आजीविका के साधन मिलेंगे।

कपड़ा उद्योग को मिलेगा दोगुना प्रोत्साहन

टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश करने वाले उद्योगों को 200त्न तक का प्रोत्साहन मिलेगा। इससे महिलाओं एवं ग्रामीण कारीगरों को सिलाई, बुनाई और कढ़ाई जैसे रोजगारों में अधिक अवसर मिलेंगे।

छत्तीसगढ़ बनेगा लॉजिस्टिक हब

नई लॉजिस्टिक नीति के तहत पूरे राज्य में माल परिवहन को आसान बनाया जाएगा। इससे व्यापारियों को लागत में कमी, समय की बचत और बाजारों तक तेज पहुंच मिलेगी।

दिव्यांगजनों को मिलेगा विशेष लाभ

दिव्यांगजनों की परिभाषा में बदलाव कर उन्हें अधिक से अधिक योजनाओं में शामिल किया जाएगा। यह समावेशी विकास की दिशा में सरकार का सराहनीय कदम है।

रक्षा और एयरोस्पेस सेक्टर को स्पेशल पैकेज

राज्य अब ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, डिफेंस और एयरोस्पेस इंडस्ट्री में भी निवेश आकर्षित करने हेतु विशेष प्रोत्साहन पैकेज प्रदान करेगा।

निजी औद्योगिक पार्कों को मिलेगा इंफ्रास्ट्रक्चर अनुदान

प्लग एंड प्ले फैक्ट्रियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ निजी औद्योगिक पार्कों को इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए सरकार की ओर से प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रदेश में इज ऑफ लिविंग को बढ़ावा

प्रदेश में इज ऑफलिविंग को बढ़ावा देने हेतु निजी सीबीएसई स्कूल और मिनी मॉल (मल्टीप्लेक्स युक्त) को भी थ्रस्ट सेक्टर की तरह मान्यता दी जाएगी, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां ये सुविधाएं नहीं हैं।

अमृतसर के 7 गांवों तक पहुंचा जहरीली शराब का असर, अब तक 21 की मौत

पंजाब (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर जिले में जहरीली शराब का कहर 7 गांवों तक पहुंच गया है, जहां अब तक 21 लोगों की मौत मेथेनॉल युक्त शराब पीने से हो चुकी है।

मजीठा क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में बीमार लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। अभी 10 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें 6 लोग गंभीर बताए जा रहे हैं। पंजाब पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए अभी तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मंगलवार को पंजाब पुलिस को सूचना मिली थी कि मजीठा क्षेत्र के 3 गांव भंगली, मरारी कलां और थेरेवाल में 12 लोगों की मौत जहरीली शराब से हो गई है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो पाया कि रविवार को लोगों की तबीयत खराब हुई थी और सोमवार को उनकी मौत होने के बाद बिना बताए अंतिम संस्कार कर दिया गया।

इसके बाद मंगलवार को पातालपुरी, तलवंडी, खुम्मन, करनाला और भंगवान गांव से भी मौत की सूचनाएं आने लगी। पुलिस ने बताया कि जिन 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उन्होंने बताया कि 600 किलो मेथेनॉल दिल्ली से ऑनलाइन मंगवाया गया था, जिससे शराब बनाई गई। उन्होंने बताया कि इस काम में कई लोग जुड़े हैं, जिससे पुलिस को गिरोह का शक है। पुलिस की टीम दिल्ली भी रवाना हो गई है। पंजाब सरकार ने पुलिस उपाधीक्षक और थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है। भगवंत मान सरकार मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देगी।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी वायुसेना का 20 प्रतिशत बुनियादी ढांचा तबाह

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को जबरदस्त नुकसान हुआ है। भारत की ओर से किए गए सटीक हमलों में पाकिस्तानी वायुसेना का करीब 20 प्रतिशत बुनियादी ढांचा तबाह हो गया है और उसके कई लड़ाकू विमान भी नष्ट हो गए हैं।

भारतीय हमलों में अधिकारियों समेत पाकिस्तानी सेना के 50 सैनिकों की मौत भी हुई है। इसमें पाकिस्तानी वायुसेना के 4 एयरमैन भी शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने चकलाला में नूर खान, शोरकोट में रफीकी, चकवाल में मुरीद, सुक्कुर, सियालकोट, पसरूर, चुनियां, सरगोधा, स्कर्दू, भोलारी और जैकोबाबाद के सैन्य प्रतिष्ठानों और हवाई अड्डों को निशाना बनाया। यहां पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 और जे-17 लड़ाकू विमान तैनात थे।

इन हमलों की कुछ सेटेलाइट तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिसमें पाकिस्तान के एयरबेस को हुए नुकसान को साफ तौर पर देखा जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंध के जमशोरो में भोलारी एयर बेस पर हुए हमले में वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ और 4 वायुसैनिकों समेत 50 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। सूत्रों ने बताया कि हमले में पाकिस्तानी वायुसेना के कई लड़ाकू विमान नष्ट हो गए हैं।

नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में कई आतंकवादी बंकर और पाकिस्तानी सेना के ठिकाने भी तबाह हो गए हैं।

भारतीय सेना ने समय-समय पर पाकिस्तान के एयरबेस और आतंकी ठिकानों पर हमले के सबूत जारी किए हैं।

सेना ने हमले के पहले और बाद की तस्वीरें जारी कर तबाही का मंजर दिखाया है। इनमें देखा जा सकता है कि हमले के बाद कई पाकिस्तानी एयरबेस पूरी तरह तबाह हो गए हैं। हाल ही में खबर आई थी कि रहीम यार खान एयरबेस के एकमात्र रनवे को एक हफ्ते के लिए बंद किया गया है। भारत के तीनों सेनाओं के सैन्य ऑपरेशन महानिदेशक ने पुष्टि की कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू मिराज जेट को मार गिराया था। सेना ने मिराज लड़ाकू विमान का मलबा भी दिखाया।

बागबाहरा में एक ही परिवार के 4 लोगों का शव मिलने से मचा हड़कंप

महासमुंद (समय दर्शन)। बता दे कि,बागबाहरा के शासकीय हाउसिंग बोर्ड कालोनी के एच-2 बिल्डिंग के मकान नं. 05 में रहने वाले बसंत पटेल (42) का शव फंदे पर लटका था, वहीं उनकी पत्नी और दो बच्चे की बॉडी जमीन पर पड़ी थी।

घटना की सूचना मिलते ही महासमुंद पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह समेत पुलिस की टीम मौके पर मौजूद है। जानकारी के मुताबिक, मृतक बसंत पटेल बागबाहरा के आदिम जाति कल्याण विभाग कार्यालय में प्यून (भृत्य) के पद पर कार्यरत था।

मृतकों में पत्नी भारती पटेल (38), बेटी सेजल पटेल (11) और बेटे कियांश पटेल (4) शामिल है। बताया जा रहा है कि, घर का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस को मौके से आत्महत्या से जुड़ा कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मामले की जांच में जुटी महासमुंद पुलिस

एस.पी.आशुतोष सिंह और एडिशनल एस.पी. प्रतिभा पांडेय सहित सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आत्महत्या के एंगल से जांच कर रही है। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। समाचार लिखे जाने तक पटेल परिवार के मौत का कारण अज्ञात है।

चीन ने बदले अरुणाचल प्रदेश की जगहों के नाम, भारत बोला- इससे वास्तविकता नहीं बदलेगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। चीन ने एक बार फिर भारत के अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम को चीनी नाम में परिवर्तित किया है, जिससे भारत काफी नाराज है।

मंगलवार को विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इस पर कड़ी आपत्ति जताई और दोहराया कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग बना रहेगा। मंत्रालय ने कहा कि भारत के सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हमारा देश ऐसे प्रयासों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है।

विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, हमने देखा है कि चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नामकरण के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों को जारी रखा है। हमारे सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हम इस तरह के प्रयासों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। रचनात्मक नामकरण इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदलेगा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। सूत्रों में दावा किया जा रहा है कि चीन के विदेश मंत्रालय ने 11 मई, 2025 को अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के नाम बदले हैं और यह उसकी पांचवीं सूची है।

चीन की ओर से इस संबंध में एक नक्शा भी जारी किया गया है और मैकमोहन को अवैध बताते हुए चीन का अविभाज्य हिस्सा बताया है। हालांकि, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 2 हफ्ते पहले दावा किया था चीन ने 22 स्थानों के नाम बदले है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के नाम 4 बार बदले हैं। उसने 2017 में 6 स्थानों के नाम बदले। इसके बाद 2021 में 15 स्थानों के नाम बदले गए, फिर 2023 में 11 और 2024 में सबसे अधिक 30 स्थानों के नाम बदले गए। इसमें पहाड़, नदियों, झीलों और आवासीय क्षेत्र शामिल थे। इन नामों को चीन ने जांगनान यानी दक्षिणी तिब्बत के हिस्से के रूप में माना है और चीनी, तिब्बती और पिनयिन अक्षरों में मानकीकृत किया है। चीन अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत का हिस्सा मानता है और इस पर अपना दावा ठोकते हुए इसे दक्षिणी तिब्बत कहता है। चीन अरुणाचल के लगभग 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपना बताता है। दूसरी तरफ भारत का कहना है कि अरुणाचल उसका अभिन्न अंग है और इस पर भारत की संप्रभुता को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली हुई है।

हर साल अधिकारियों से लगाते हैं गुहार लेकिन स्थिती बद से बदतर

15 साल से पक्की सड़क की राह देख रहे ग्रामीण

योगेश कुर्रे

सारंगढ़ (समय दर्शन)। आम तौर पर लोगों के लिए बिजली, पानी, सड़क अहम सुविधा है इन सुविधाओं के बिना ग्रामीणों का गुजर बसर करना एक श्राप से कम नही है आजादी के 75 साल गुजर गए आज भी लोग बिजली, पानी, सड़क की सुविधाओं से वंचित नजर आ रहे कितनी बार सरकार बदल गई लेकिन ग्रामिणो की हालात नही बदली हा वादे तो सबने किया कभी इसने तो कभी उसने वादे करने वाले भूल गए लेकिन ग्रामीण आज भी नही भूले भला भूलेगी कैसे जब उनके बच्चे साफ सुथरे यूनिफार्म पहनकर स्कूल के लिए निकलते है और गांव के आधे रास्ते से कीचड़ और चोट लेकर घर वापस पहुंच जाते , कभी इलाज के लिए गांव तक एंबुलेश की गाड़ी तक नही पहुंच पाते तो आखिर कैसे भूलेगी ओ जनता

दरअसल मामला सड़क से जुड़ा है जहा आज भी ग्रामीण पक्की सड़क के लिए तरस रहे मामला सारंगढ़ जिला मुख्यालय से महज 10 किलो मीटर दूर बसा गांव सिंघनपुर का है जहा ग्रामीण लगभग 15 वर्ष से अधीक समय हो चुका पक्की सड़क की मांग करते लेकिन अब तक सड़क नहीं बनी जिसका दंश ग्रामीण हर वर्ष झेल रहे सिघनपुर ग्रामीणों के लिए एक मात्र मुख्य मार्ग है लेकिन कई वर्षो पूरानी 2ड्ढद्व बनी सड़के आज भी चल रहीं अभी सूखे का दिन है आवागमन करने में ज्यादा कठिनाई नही होती लेकिन जैसे ही गर्मी खत्म होकर बरसात आती है सड़के इतनी खराब हो जाती है जिसमें दो पहिए चार पहिए गाड़ी तो छोड़िए पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है जगह जगह कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो जाती है जिसकी वजह से ग्रामीणों को आवाजाही करने भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है ।

ग्रामीणों लगा चूके शासन प्रशासन को गुहार

लागातार ग्रामीण पक्की सड़क की माग शासन प्रशासन से करते थक चूके लेकिन उन्हे अश्वशन के सिवा कुछ मिलता नही विगत महिने पीछे सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण कलेक्टर दफ्तर पहुंचे थे जिसमे उन्हे आश्वाशन दिया था की सड़क की स्वीकृति हो चुका है जल्द काम हो जाएगा लेकीन आज प्रयत्न नही हुआ जिससे ग्रामीण अब अक्रोशित होते नजर आ रहे और कहा की यह अन्तिम निवदेन और मांग है।

हमारी सुसाशन त्योहार में जहा मुख्यमंत्री ने कहा है की हर समस्या का सामाधान होगा उसी उम्मीद से 15 साल से अधिक वर्षो पूरानी मांग फिर से आवेदन देकर गुहार लगा रहे है अगर अब हल नही हुआ या पक्की सड़क नही बनी तो हम सब ग्रामीण बच्चे बुजुर्ग महीला सभी सड़क चक्का जाम करेंगे कहते हुए शासन प्रशासन से गुहार लगाई गई

अतरिक्त कलेक्टर एस के टंडन ने कहा की इस मामले में ग्रामीण ने पहले भी आवदेन दिया है इस मामले को श्च2स्र विभाग को सूचित कर दिया है और अभी मिडिया ने बताया तो तत्कल विभाग से जानकारी ली गई जिसमे टेक्निकल कुछ ईशु होने के कारण काम रुका है उसे पूर्ण कराने के लिए क्कङ्खष्ठ विभाग रायपुर रुके कार्य को कराने में लगे है बहुत जल्द कार्य को पुरा किया जाएगा।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 6 युद्धपोतों ने पाकिस्तान पर हमला किया था

ऑनपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना के 36 जहाज-युद्धपोत हमले के लिए थे तैयार

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना ने अपने कम से कम 36 जहाजों को अग्रिम पंक्ति पर तैनात कर रखा था। ये आदेश मिलते ही कराची पर हमला करने के लिए तैयार थे। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। जहाजों के इस बेड़े का नेतृत्व आईएनएस विक्रांत कर रहा था।

बता दें कि 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 6 युद्धपोतों ने पाकिस्तान पर हमला किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इन जहाजों में ब्रह्मोस मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और वरुणास्त्र हेवीवेट टॉरपीडो से लैस 7 जहाज शामिल थे। ये जमीन, हवा और पानी के खतरों से निपटने में सक्षम थे। इसके अलावा हाल ही में नौसेना में शामिल किए गए आईएनएस तुशील सहित 7 स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट भी तैनात थे, जो पश्चिमी तट पर हर गतिविधि का जवाब देने को तैयार थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नौसेना ने 6 पनडुब्बियों को भी तैनात कर रखा था। इसके अलावा तेज गति से हमला करने वाले जहाजों और मिसाइल नौकाएं भी शामिल थीं। इस तरह 36 युद्धपोत, जहाज और पनडुब्बियां किसी भी हरकत का जवाब देने के लिए तैयार थीं।

पहलगाम हमले के बाद से ही नौसेना को हाई अलर्ट पर रखा गया था, जिसके कारण पाकिस्तान ने संभावित नौसैनिक हमले की आशंका के चलते नवरेआ चेतावनी जारी की थी।

पाकिस्तानी नौसेना के पास फिलहाल 30 से भी कम युद्धपोत हैं। भारतीय सेना ने इससे ज्यादा बड़ा बेड़ा तैनात कर दिया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की नौसेना की तैनाती कथित तौर पर कराची बंदरगाह तक ही सीमित थी, क्योंकि भारतीय नौसेना की भारी मौजूदगी के कारण वह प्रभावी ढंग से जवाब देने में असमर्थ थी।

तनाव के बीच कई वाणिज्यिक जहाजों ने भी कराची जाने के बजाय अपना रास्ता बदल लिया था।

संक्षिप्त समाचार

अजय कोचिंग क्लासेस के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

साजा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर ने बीते 7 मई बुधवार को हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2024-25 के परीक्षा परिणाम घोषित किये हैं। इन परीक्षाओं में अजय कोचिंग क्लासेस के कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों ने अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। कक्षा दसवीं में 8 विद्यार्थी एवं बारहवीं विज्ञान संकाय से 6 विद्यार्थियों ने परीक्षाएं दी। यह सभी विद्यार्थी इस परीक्षा में सम्मिलित होकर परीक्षा पास कर ली। कक्षा दसवीं से डाकेश्वरी साहू पिता कुबेर साहू ने 80.33 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, मधु साहू पिता घनश्याम साहू ने 72.66 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान एवं प्रिया साहू पिता सरजू साहू ने 61 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा बारहवीं विज्ञान संकाय से पूजा पटेल पिता सनत पटेल ने 73.80 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, ज्योति साहू पिता दिनेश साहू ने 67 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय एवं नेहा साहू पिता विष्णु साहू ने 64 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों को शिक्षक अजय साहू ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

सुशासन तिहार में वीरेंद्र कश्यप की राशन कार्ड त्रुटि का हुआ त्वरित निराकरण

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविर में आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है, सुशासन तिहार के तहत आयोजित समाधान शिविरों में पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम कुटरा निवासी श्री वीरेंद्र कश्यप ने सुशासन तिहार के तहत जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम कुटरा में आयोजित समाधान शिविर में अपनी राशन कार्ड में त्रुटि सुधार हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। समाधान शिविर में श्री वीरेंद्र कश्यप की राशन कार्ड संबंधी समस्या का त्वरित निराकरण किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया और कहा कि सुशासन तिहार बहुत ही अच्छी पहल है इसके माध्यम से आमजन अपनी मांग एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन कर समाधान पा रहे हैं।

लेखा प्रशिक्षण सत्र जुलाई-अक्टूबर 2025 हेतु आवेदन आमंत्रित, 13 जून 2025 तक करें आवेदन

दुर्ग (समय दर्शन)। संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन के निर्देशानुसार आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र (जुलाई 2025 से अक्टूबर 2025) के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए है, जिन्होंने कार्यालय में कम से कम 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर ली हो। लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है, जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर। आवेदन केवल निर्धारित प्रारूप में स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन पत्र कार्यालय प्राचार्य संभागीय वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण संस्थान कलेक्ट्रेट परिसर के पीछे पेंशन कार्यालय को 13 मई से 13 जून 2025 के मध्य की अवधि में कार्यालयीन समय में आवेदन पत्र स्वीकार किए जाएंगे। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नही किया जाएगा।

दुर्ग जिला पुलिस ने डॉयल 112 और पेट्रोलिंग स्टाफको आपातकालीन प्राथमिक उपचार का दिया प्रशिक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। सड़क दुर्घटना या आपातकालीन स्थिति में पीड़ितों को त्वरित प्राथमिक चिकित्सा सहायता देने के उद्देश्य से आज पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर-6, भिलाई में डॉयल 112 एवं जिले की पुलिस पेट्रोलिंग स्टाफ के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में पुलिस अस्पताल दुर्ग के डॉक्टर सुधीर गांगेय, डॉक्टर ए.पी. सावंत और उनकी टीम द्वारा दुर्घटना या स्वास्थ्य संकट की स्थिति में घायलों को किस तरह प्राथमिक उपचार दिया जाए, इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी, बल्कि?? डेमो कराकर पुलिस कर्मियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया।

इसके साथ ही हार्ट अटैक की स्थिति में ष्टक्क (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) देने की विधि का भी डेमो दिखाया गया।

कलेक्टर उइके ने फिंगेश्वर ब्लॉक के पीएम आवास योजना की समीक्षा की

अप्रारंभ कार्यों को शुरू कर एवं प्रगतिरत कार्यों में गति लाते हुए पूर्ण करने के दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके ने फिंगेश्वर के जनपद पंचायत सभाकक्ष में बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना की गहन समीक्षा की।उन्होंने फिंगेश्वर ब्लॉक अंतर्गत चल रहे पीएम आवास योजना के कार्यों के संबंध में बैठक लेकर विस्तार पूर्वक समीक्षा की।कलेक्टर ने पीएम आवास की कम प्रगति एवं कार्य अपूर्णता पर गहरी नाराजगी जताते हुए कुल 13 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।इनमें 12 ग्राम पंचायत सचिव एवं 1 तकनीकी सहायक शामिल है।इनमें ग्राम पंचायत चरौदा, धुरसा, पतोरा, रक्सा, टेका, पाली, भसेरा, गनियारी, सेंदर, बिनौरी, बासीन, छुईहा के पंचायत सचिव और तकनीकी सहायक अलेश धृतलहरे शामिल है। कलेक्टर ने फिंगेश्वर ब्लॉक में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत सभी कार्यों का गंभीरता पूर्वक क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधितों को दिए।उन्होंने पंचायत वार स्वीकृत कार्यों, प्रगतिरत, हितग्राहियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त आबंटन एवं अप्रारंभ कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अप्रारंभ कार्यों को जल्द शुरू करने और जारी कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ जीआर मरकाम, अपर कलेक्टर नवीन भगत, एसडीएम विशाल महाराणा, डिप्टी कलेक्टर अंजली खलखो सहित तकनीकी सहायक, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि फिंगेश्वर ब्लॉक अंतर्गत कुल 6 हजार 219 आवास वर्ष 2024-25 अंतर्गत स्वीकृत किये गये है।इनमें से 1 हजार 900 आवास पूर्ण हो चुके है। शेष प्रगतिरत है। इसी तरह प्रधानमंत्री जनमन के तहत 153 आवास स्वीकृत है, जिसमें से 111 आवास पूर्ण हो चुके है,शेष प्रगतिरत है।कलेक्टर ने पीएम आवास योजना अंतर्गत धीमी प्रगति वाले पंचायतों के अधिकारी कर्मचारियों को सक्रिय होकर प्राथमिकता में कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।साथ ही कार्यों का जिओ टैगिंग भी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पीएम आवास योजना अंतर्गत सर्वे, जिओ टैगिंग, इंस्टॉलमेंट के नाम से अवैध वसूली की शिकायत नहीं आनी चाहिए।इस संबध में शिकायत पाये जाने पर संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों को लाभान्वित करने कोई लापरवाही न बरते।सर्व संबंधित सक्रियता एवं गंभीरतापूर्वक कार्य करते हुए लोगों को योजना से लाभान्वित कराये। कलेक्टर श्री उइके ने बैठक में कहा कि शासन के मंशानुसार हितग्राहियों के आवास समय पर पूर्ण हो,जिससे उन्हें आवास योजना का लाभ आसानी से मिल सके।आवास योजना की लगातार शासन स्तर से भी समीक्षा हो रही है।हितग्राहियों को लाभान्वित करने मैदानी अमले सक्रिय होकर गंभीरतापूर्वक कार्य करे।

केन्द्रीय जेल का निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

कर विधिक विषयों के संबंध में दी गई विस्तृत जानकारी

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के अध्यक्ष माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा केन्द्रीय जेल दुर्ग का निरीक्षण कर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जेल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों को प्रभावी और कुशल विधिक सहायता प्रदान करना तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

बंदियों को उनके अधिकारों की जानकारी प्रदान कर कहा गया कि आपका यह अधिकार है कि आप अपने केस की स्थिति जानें। निःशुल्क विधिक सहायता की सुविधा पर जोर देते हुए उन्हें बताया गया कि पैनल लॉयर और लीगल एड डिफेंस काउंसिल निःशुल्क प्रकरण की पैरवी करते हैं। सचिव ने लीगल एड डिफेंस काउंसिल की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे लीगल एड लॉयर के काम पर भरोसा रखें, क्योंकि उनके कार्यों की मासिक समीक्षा की जाती है, जो उनकी कार्यकुशलता को दर्शाती है। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक श्री मनीष सम्भाकर, लीगल एड लॉयर श्री सौरभ सेन्द्रे और जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

बिना अनुमति निर्माण करने वाले को पालिका किरंदुल ने थमाया नोटिस

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। एस एच अज़हर अमन पथ किरंदुल: नगर पालिका परिषद किरंदूल में अतिक्रमण कर बिना अनुमति के बन रहे मकानों पर कार्यवाही करते हुवे नोटिस थमाया गया ज्ञात हो कि नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य एवं मकान नवीनीकरण के कार्य एवं अन्य किसी भी प्रकार के निर्माण से पूर्व नगर पालिका से भवन अनुज्ञा लिया जाना है वार्ड क्रमांक 03,05,06,10 में कुल 05 लोगों को आज दिनांक 14/5/2025 को उनका काम रोकने एवं 3 दिवस के भीतर मकान एवं जमीन से संबंधित दस्तावेज मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु नोटिस दिया गया और बताया गया कि अनुमति के पश्चात ही आगे निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाना है इस कार्यवाही में उप अभियंता तीरथ राम सिन्हा,सहायक राजस्व निरीक्षक गौरीशंकर तिवारी, मनराखन ठाकुर, अकाउंटेंट सुलधर नाग एवं लोमन सिन्हा मौजूद रहे

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

पीएम आवास योजना व जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने विभागवार समय-सीमा के लंबित प्रकरणों, जनदर्शन में प्राप्त मांग एवं शिकायतों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने हर घर जल योजना के कार्यों की समीक्षा की और प्रगतिरत कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश। उन्होंने सीईओ, सीएमओ को निर्देशित कर कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने अवैध खनन पर जीरो टॉलरेंस के तहत जिला टास्क फोर्स के माध्यम से कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस, राजस्व एवं माईनिंग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को संवेदनशीलता के साथ नियमानुसार समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने महतारी वंदन योजना सहित सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं में शत प्रतिशत ई-केवाईसी करने के निर्देश दिए। उन्होंने खरीफफसल के दृष्टिगत जिले में खाद-बीज के भंडारण और किसानों को किए जा रहे वितरण की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने किसानों के लिए डीएपी खाद की कमी की आपूर्ति हेतु इसकी जगह यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश की संतुलित मात्रा या एनपीके मिश्रित खाद का उपयोग करने किसानों में जन जागरूकता लाने और प्रोत्साहित करने के निर्देश उप संचालक कृषि को दिए। कलेक्टर ने पीडबल्यूडी विभाग अंतर्गत सड़क निर्माण से संबंधित विषयों की पूर्व बैठक में दिये गये निर्देशानुसार अद्यतन स्थिति की समीक्षा की।

शास उच्च माध्य विद्यालय मेड़ेसरा का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। छ.ग. माशिम ने 7 मई 2025 को बोर्ड का परीक्षा परिणाम घोषित किया। जिसमें शास उच्च माध्य विद्यालय मेड़ेसरा में 10 वी का परीक्षाफल 80 प्रतिशत और 12वी का 90 प्रतिशत रहा। जिसमें बारहवीं कक्षा में कुबेर जोशी विज्ञान संकाय 87.4 प्रतिशत से प्रथम, कु. खुशी साहू 81 प्रतिशत से द्वितीय और रीना वाणिज्य संकाय 80 प्रतिशत से तृतीय स्थान उसी प्रकार दसवीं कक्षा में कु. गौतमी सिन्हा ने 93.16 प्रतिशत से प्रथम, कु. तुलसी देवांगन ने 89 प्रतिशत से द्वितीय, कु सोना 88 प्रतिशत से तृतीय स्थान प्राप्त कर शाला परिवार, अपने ग्राम और अपने माता पिता को गौरवान्वित किया। इसी तारतम्य में शाला की प्राचार्या श्रीमती रश्मि रंजना बंशियार एस. एम. डी. सी. अध्यक्ष श्री देवेन्द्र कश्यप, एवं सदस्य श्री केशव निषाद जी ने पुष्पगुच्छ देकर और मुंह मीठा कर उनको सम्मानित किए।साथ ही ग्राम पंचायत मेड़ेसरा की सरपंच श्रीमती राजेश्वरी विनोद लहरें और समस्त शाला परिवार ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुएं उनके उज्वल भविष्य की कामना किए।

आवेदकों के मांग एवं शिकायतों का हो रहा है समाधान

झीट समाधान शिविर से संबंधित पंचायतों का विभिन्न विभागों द्वारा 5618 आवेदन निराकृत

सुशासन तिहार समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में सुशासन तिहार लोगों के मांग एवं शिकायतों से संबंधित आवेदनों के निराकरण का सशक्त माध्यम बन गया हैं। सुशासन तिहार के प्रथम चरण में 08 अप्रैल से 11 अप्रैल तक विभागों को प्राप्त आवेदनों का विभागीय अधिकारियों द्वारा गुणावत्तापूर्वक निराकरण कर समाधान शिविर के माध्यम से आवेदकों को अवगत कराया जा रहा हैं। साथ ही समाधान शिविर में शासकीय योजना के हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया हैं। आज जिले के पाटन विकासखण्ड के ग्राम झीट में आयोजित समाधान शिविर में ग्राम पंचायत उफरा, झीट, रूही, जामगांव (एम), अमेरी, करंगा/गभरा, करसा, घुघवा (क), रवेली, राखी, लोहरसी, तर्रा, सावनी एवं चंगोरी इस तरह 14 पंचायतों से मांग/शिकायतों से संबंधित कुल 5673 आवेदन में से 5618 आवेदन विभागों द्वारा निराकृत किये गए हैं। अधिकारियों ने शिविर के माध्यम से निराकरण के संबंध में आवेदकों को अवगत कराया। समाधान शिविर में 10 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति पत्रक, 2 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका, 4 हितग्राहियों को वृद्धावस्था पेंशन, 02 हितग्राहियों को लर्निंग ड्रायविंग लाइसेंस, 09 कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड, 06 बच्चों को सुपोषण किट, 45 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 02 मछुआ समितियों को जॉल एवं आईसबाक्स, 11 मनरेगा श्रमिकों को जॉब कार्ड से लाभान्वित किया गया। लाभान्वित हितग्राहियों में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति पत्रक प्राप्त करने वाले हितग्राहियों में पुनउतीन, बैसाखू राम, झनी राम, लिलेश कौशिक ग्राम झीट एवं होरी लाल, महेन्द्र, नारायण, मदन लाल एवं दीपक कुमार ग्राम जामगांव (एम) शामिल है। राजस्व विभाग द्वारा ऋण पुस्तिका प्राप्त करने वाले हितग्राहियों में ग्राम गभरा के रविशंकर साहू और विष्णु प्रसाद शामिल है। समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृति पत्रक लाभान्वित हितग्राहियों में प्यारेलाल ग्राम सावनी, पुरानिक जांगड़े और धरमदास ग्राम चंगोरी, समारू ठाकुर ग्राम अमेरी को शामिल है। परिवहन विभाग द्वारा लर्निंग लाइसेंस से लाभान्वित हितग्राहियों में चुम्मन एवं साहिल ग्राम सांकरा शामिल है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड से लाभान्वित कृषकों में बाला राम, लीलाधर वर्मा, अर्जुन साहू, कन्हैया, तुलसी राम सिन्हा, हेमलाल टंडन, तिरिथ सिन्हा, मनोहर बंजारे और मोहन लाल सार्वे शामिल है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 06 बच्चों को सुपोषण किट प्रदान की गई। इन बच्चों में ग्राम झीट के तनवी सिन्हा, हर्ष कुमार पटेल, तृशा सिंगौर, प्रॉची साहू, पूरब साहू एवं नयन पटेल शामिल है। मत्स्य विभाग द्वारा ग्राम कुरूद के मत्स्य कृषक मनीष कुमार को जॉल एवं आईसबाक्स तथा ग्राम झीट के आदिवासी मछुआ सहकारी समिति के धनंजय ठाकुर को जॉल एवं आईसबाक्स देकर लाभान्वित किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 11 मनरेगा श्रमिकों को रोजगार जॉब कार्ड प्रदान किया गया। जिसमें ग्राम उफरा के केकती बाई साहू, नर्मदा बाई, यामिनी ठाकुर, किशोर साहू, राम्हीन साहू एवं बीना साहू और ग्राम झीट के हितेश्वरी, देवला साहू, कीर्ति साहू, दामिनी साहू और मनीषा शामिल है। इसी प्रकार खाद्य विभाग द्वारा विभिन्न ग्रामों के 47 हितग्राहियों को राशन कार्ड से लाभान्वित किया गया।

शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने करकमलों से हितग्राहियों को सामग्री प्रदान किये। समाधान शिविर में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक, सरपंच श्री उपेन्द्र राजू साहू, जनपद एवं पंचायत प्रतिनिधिगण तथा एसडीएम श्री लवकेश ध्रुव सहित समस्त विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

'जशप्योर' ब्रांड ने केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी प्रभावित कर दिया

'जशप्योर' में झलकता है छत्तीसगढ़ का स्वाभिमानः शिवराज सिंह चौहान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मिट्टी, मेहनत और आत्मनिर्भरता से उपजे 'जशप्योर' ब्रांड ने केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी प्रभावित कर दिया। मंगलवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार की गई जशप्योर टोकरी भेंट की, तो मंत्री चौहान ने कहा ङ्क ये सिर्फ उत्पाद नहीं, यह छत्तीसगढ़ की आत्मा है।

माटी की महक, परिश्रम की मिठास

'जशप्योर' ब्रांड के उत्पादों में छत्तीसगढ़ी संस्कृति, जनजातीय समुदाय का हुनर और महिलाओं की आत्मनिर्भरता की झलक साफनजर आई। छींद कांसा की हस्तनिर्मित परंपरागत टोकरी में सजे डेकी, कुटा चावल, टाऊ पास्ता, महुआ कुकीज, रागी-मखाना लड्डू, हर्बल सिरप और महुआ च्यवनप्राश जैसे उत्पादों को देखकर केंद्रीय मंत्री ने गहरी रुचि दिखाई।

उन्होंने कहा, इन उत्पादों में सिर्फस्वाद नहीं, बल्कि संस्कृति, स्वदेशी सोच और लोकल इनोवेशन की मिसाल है। जशप्योर जैसे ब्रांड ग्रामीण भारत के उज्जवल भविष्य की नींव हैं।

'वोकल फॉर लोकल' को दे रहे नया आयाम

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' विजन को ज़मीन पर उतार रही है। उन्होंने कहा, हमारी बहनें सिर्फ उत्पाद नहीं बना रहीं, वे आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की असली आर्किटेक्ट हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि स्व सहायता समूहों की महिलाएं आज न केवल स्थानीय स्वाद और परंपरा को उत्पादों में सहेज रही हैं, बल्कि इनसे आमदनी और पहचान भी बना रही हैं।

महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल

'जशप्योर' अब सिर्फ जशपुर तक सीमित नहीं रहा। यह ब्रांड छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन, हुनर और आत्मसम्मान का प्रतीक बनकर उभरा है। राज्य सरकार इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की दिशा में भी काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुझाव दिया कि 'जशप्योर' जैसे मॉडलों का अध्ययन कर देशभर में दोहराया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हों और स्थानीय उत्पादों को नया बाजार मिल सके। जशप्योर अब एक नाम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है — जो स्वाद, संस्कृति और स्वाभिमान को एक साथ जोड़ता है। केंद्रीय मंत्री की सराहना से यह साबित हो गया है कि छत्तीसगढ़ के गांवों से निकला यह ब्रांड अब राष्ट्रीय पहचान की ओर अग्रसर है।

संक्षिप्त समाचार

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 में 2,516.2 करोड़ के राजस्व का आंकड़ा पार किया

इंदौर। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (SPIL) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन, श्री दिनेश पाटीदार ने कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा: हमें यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है, जिसमें सभी प्रमुख मानकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। हमने अब तक का सर्वाधिक राजस्व 2,516.2 करोड़ दर्ज किया, जो वर्ष दर वर्ष 83.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है, जबकि शुद्ध लाभ में 188.2त्न की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह ?408.4 करोड़ तक पहुंच गया। यह प्रभावशाली टॉपलाइन ग्रोथ हमारे घरेलू और निर्यात दोनों व्यवसायों में शानदार प्रदर्शन के चलते संभव हुई है। साथ ही, ऑपरेशन में दक्षता पर हमारे निरंतर ध्यान ने लाभ और मार्जिन को भी सशक्त किया है। हमारी वित्तीय सतर्कता का प्रमाण है कि हमने स्त्नङ्क25 में उच्च राजस्व के बावजूद रसीवेबल डेज़ को प्रभावी ढंग से घटाया है। स्त्नङ्क24 में जहाँ रसीवेबल डेज़ 178 से अधिक थे, वहीं स्त्नङ्क25 में यह घटकर 152 दिन रह गए हैं। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह ट्रेंड और बेहतर होगा। हमारा निर्यात व्यवसाय लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है, जिसमें FY25 में 52.7% की वृद्धि के साथ 436.8 करोड़ का राजस्व दर्ज किया गया। अमेरिका, अफ्रीका, एशिया और मिडिल ईस्ट जैसे क्षेत्रों में हमारी मजबूत उपस्थिति यह सुनिश्चित करती है कि यह व्यवसाय स्टेबल और सस्टैनबल बना रहेगा। हमारा मजबूत ऑर्डर बुक 1,654.6 करोड़ का है और लगातार ऑर्डर प्राप्त होने से हमें FY26 और उसके बाद भी मजबूत वृद्धि हासिल करने का पूरा विश्वास है। महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा जैसे राज्यों से प्राप्त हो रहे ऑर्डर के साथ-साथ मध्य प्रदेश और पंजाब सहित अन्य राज्यों में भी हमने सक्रिय रूप से टेंडर डाले हैं। हमें विश्वास है कि इन राज्यों में हमारी सशक्त उपस्थिति और बाज़ार हिस्सेदारी हमें महत्वपूर्ण नए ऑर्डर प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी।

केनरा रोबेको ने लॉन्च किया केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

मुंबईः भारत के दूसरे सबसे पुराने एसेट मैनेजर, केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने आज केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च का ऐलान किया है। यह एक ओपन-एंडेड हाइब्रिड फंड है जिसका लक्ष्य बाजार के अच्छे प्रदर्शन के समय अल्फ़ा रिटर्न हासिल करना और बाजार के खराबदौरमेंनुकसान की संभावना को कम करना है। यह फंड एक ओपन-एंडेड स्कीम है जो इक्विटी और इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट, डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट, गोल्ड ईटीएफऔर सिल्वर ईटीएफमें निवेश करती है। इसकी मल्टी असेट एलोकेशन रणनीति का लक्ष्य सभी तरह की बाजार स्थितियों में बेहतर परिणाम हासिल करना है।यह फंड बदलती आर्थिक स्थितियों, अर्निंग मोमेंटम, मार्केट वैल्यूएशन और इक्विटी रिस्क प्रीमियमको ध्यान में रखते हुए समय-समय पर असेट क्लॉस की समीक्षा करता रहेगाजिससे पोर्टफोलियो को संतुलित रखने में आसानी होगी। नया फंड ऑफ़र सब्सक्रिप्शन के लिए 9 मई, 2025 को खुलेगा और 23 मई, 2025 को बंद होगा। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफीसर, श्री रजनीश नरूला ने कहा, केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च से न केवल हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार होगा, बल्कि यह निवेशकों को बाजार की नई-नई जरूरतों को पूरा करने के लिए अलग-अलग तरह के समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमता को भी बढ़ाएगा। हमारा लक्ष्यनिवेशकों के लिए लगातार नए फंड विकसित करना और उन्हें मजबूत पोर्टफोलियो बनाने में सहायता करना है। हम निवेशकों के वित्तीय लक्ष्यों के मुताबिकप्रोडक्ट विकसित करने के साथ ही इनमें लगातार सुधार करते रहते हैं और उत्कृष्टता की अपनी संस्कृति पर फोकस बनाए रखते हैं।

रिलायंस निप्पॉन लाइफइंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में दर्ज किया शानदार प्रदर्शन

मुंबई : भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में शुमार रिलायंस निप्पॉन लाइफइंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (आरएनएलआईसी) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने प्रमुख प्रदर्शन मापदंडों में स्थिरता और उत्कृष्टता का परिचय दिया, साथ ही ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और परिचालन दक्षता को और मजबूत किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आरएनएलआईसी ने 247 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) हासिल किया, जो पिछले वर्ष (2023-24 में 198 करोड़ रुपये) की तुलना में 25% की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (AUM) 38,725 करोड़ रुपये तक पहुंची, जो साल-दर-साल 9% की वृद्धि को प्रदर्शित करती है। नया व्यवसाय प्रीमियम (NBP) 1,245 करोड़ रुपये तक बढ़ा, और कुल प्रीमियम 5,711 करोड़ रुपये रहा, जो व्यवसाय की सतत प्रगति को रेखांकित करता है। कंपनी ने 235% का मजबूत सॉल्वेंसी अनुपात बनाए रखा, जो नियामक आवश्यकताओं से कहीं अधिक है। यह एक ठोस वित्तीय स्थिति और विवेकपूर्ण पूंजी प्रबंधन का प्रमाण है। ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण कंपनी की आधारशिला रहा, जिसमें 31 मार्च 2025 तक 98.9त्न का दावा निपटान अनुपात दर्ज किया गया। इस वर्ष, लगभग 5.4 लाख ग्राहकों को 3,523 करोड़ रुपये के लाभ का भुगतान किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8% की वृद्धि दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रीमियम* के आधार पर 13वें महीने की पर्सिस्टेंसी 80.8% रही, जो ग्राहकों के अटूट विश्वास और निरंतर जुड़ाव को दर्शाती है। सक्रिय सलाहकारों की संख्या में 13% की वृद्धि हुई, जिससे सलाहकार आधार बढ़कर लगभग 69,000 हो गया, जिसने कंपनी की पहुंच और सलाहकारी क्षमता को और सशक्त किया। अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, आरएनएलआईसी ने भाग लेने वाले पॉलिसीधारकों के लिए बोनस की घोषणा की और वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 351 करोड़ रुपये के बोनस वितरित किए। इससे 5.2 लाख ग्राहकों को उनके निरंतर भरोसे के लिए पुरस्कृत किया गया। यह 24वां वर्ष है जब कंपनी ने लगातार बोनस की घोषणा की, जो ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वित्तीय सुरक्षा के प्रति आरएनएलआईसी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

साइबर ठगी में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार, देशभर में बदलते थे ठिकाने

राहुल यादव पिता अवध राम

काजल यादव पिता राजाराम

रायपुर। रायपुर पुलिस ने ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के लिए म्यूल बैंक खाते खोलने और ऑपरेट करने में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल यादव और काजल यादव देश के अलग-अलग शहरों में ठिकाना बदल-बदलकर साइबर ठगी की रकम का लेनदेन कर रहे थे।

फेसबुक पर हुई दोस्ती, साथ मिलकर की साइबर ठगी-- गिरफ्तार आरोपी राहुल यादव की फेसबुक पर काजल यादव से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों ने मिलकर म्यूल अकाउंट खोलने, उन्हें ऑपरेट करने और ठगी की रकम इधर-उधर करने का नेटवर्क खड़ा कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी चेन्नई, अहमदाबाद और महाराष्ट्र के जालना जैसे शहरों में लगातार ठिकाने बदलते रहे, ताकि पुलिस की पकड़ से बच सकें।

IG अमरेश मिश्रा की पहल पर बड़ी कार्रवाई- रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने साइबर क्राइम पोर्टल में दर्ज म्यूल बैंक अकाउंट की गहन जांच के निर्देश दिए थे। उन्होंने खाता धारक, संवर्धक, एजेंट, बैंक कर्मी और सिम सप्लायर जैसे सभी संदिग्धों पर कार्यवाही के लिए रेंज साइबर थाना रायपुर को विशेष निर्देश दिए।

कोतवाली थाना में दर्ज था मामला- थाना कोतवाली रायपुर में अपराध क्रमांक 45/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) बी एन एस के तहत मामला दर्ज था। पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर दोनों आरोपियों की भूमिका सामने आई। आरोपियों द्वारा ठगी की बड़ी राशि प्राप्त करने और उसे विभिन्न खातों में ट्रांसफर करने की पुष्टि हुई है।

गिरफ्तार आरोपीः- राहुल यादव, पिता रामअवध यादव, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम मवाई, थाना खेतासराय, जौनपुर (उत्तर प्रदेश)

काजल यादव, पिता राजाराम यादव, उम्र 28 वर्ष, निवासी सदर वार्ड, भाटापारा, बलौदा बाजार (छत्तीसगढ़)

जेल भेजे गए आरोपी

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। आगे की जांच जारी है, और साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है। ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत रायपुर पुलिस की यह कार्रवाई साइबर ठगी और म्यूल अकाउंट नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। पुलिस की सख्ती के चलते ऐसे अपराधियों पर शिकंजा कसना अब तेज़ हो गया है।

बैठक में महाप्रबंधक ने दिए विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश की अध्यक्षता में मंगलवार को रायपुर रेल मंडल की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडल रेल प्रबंधक दयानंद, प्रमुख विभागाध्यक्षों और विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया।

रेलवे प्रगति, यात्री सुविधा और संरक्षा पर हुई गहन चर्चा- बैठक में रेलवे की वर्तमान प्रगति, यात्री सुविधाओं, मालभाड़ा परिवहन, संरक्षा उपायों, बुनियादी ढांचे के विकास और आगामी परियोजनाओं की गहराई से समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं और यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा, रेलवे केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अत: प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता जरूरी है।

विद्युतीकरण और स्टेशन पुनर्विकास की रफ्तार बढ़ाने के निर्देश- महाप्रबंधक ने हाल में शुरू की गई परियोजनाओं, विद्युतीकरण और स्टेशन पुनर्विकास की स्थिति की समीक्षा करते हुए कार्य की गति तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन परियोजनाओं में देरी हो रही है, उन्हें शीघ्र निष्पादित करने का भी आदेश दिया।

जनभागीदारी और कर्मचारी कल्याण पर विशेष जोर- बैठक के अंत में तरुण प्रकाश ने कहा कि रेलवे कार्यों की सफलता यात्री संतुष्टि, जनभागीदारी और कर्मचारियों के कल्याण पर निर्भर है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे कार्यों को दृढ़ता, समर्पण और अनुशासन के साथ अंजाम दें। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि लापरवाही करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। महाप्रबंधक की इस समीक्षा बैठक में रायपुर रेल मंडल के समग्र विकास की रूपरेखा को और मजबूत किया गया। रेलवे प्रशासन अब यात्रियों को बेहतर सेवा, सुरक्षित यात्रा और आधुनिक सुविधाएं देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आ रहा है।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री ने नवा रायपुर में लगाया नारियल का पौधा

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण और हरित छत्तीसगढ़ की दिशा में एक सकारात्मक पहल करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नवा रायपुर स्थित सेंट्रल पार्क में नारियल का पौधा लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने नारियल के पौधों का रोपण कर हरियाली बढ़ाने के संकल्प को और मजबूत किया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने इस अवसर पर कहा कि वृक्ष जीवन का आधार हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन का रूप दें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में हरित आवरण को बढ़ाने हेतु संकल्पित है और वृक्षारोपण को एक जन-भागीदारी अभियान के रूप में आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार, कृषि संचालक राहुल देव, उद्यानिकी संचालक एस. जगदीशन सहित अन्य नागरिक उपस्थित थे।

'अमृत सरोवर' से आजीविका और जलसंरक्षण

केंद्रीय मंत्री चौहान ने 'अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों' को बताया गेमचेंजर

रायपुर। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ के कृषि और पंचायत विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में गांवों की समग्र समृद्धि, रोजगार सृजन, जलसंरक्षण और डिजिटल सशक्तिकरण के रोडमैप पर विस्तार से चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्री ने 'अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों' की सराहना करते हुए कहा कि ये केंद्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में क्रांतिकारी पहल हैं। उन्होंने कहा कि इस नवाचार को अन्य राज्यों में भी लागू किया जा सकता है।

'अमृत सरोवर' से आजीविका और जलसंरक्षण

बैठक में 'अमृत सरोवर योजना' को

ग्रामीण आजीविका से जोड़ने के निर्देश दिए गए। मंत्री चौहान ने कहा कि इससे ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और जल प्रबंधन में ठोस सुधार आएगा। उन्होंने मनरेगा बजट पुनरीक्षण और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति को लेकर भी केंद्र की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री बोले - योजनाओं को जमीन तक पहुंचाना ही असली सुशासन

मुख्यमंत्री साय ने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि गांवों की समग्र समृद्धि सुनिश्चित करना है। उन्होंने डिजिटल सेवाओं की पहुंच, युवाओं के कौशल विकास और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राज्य की प्राथमिकता बताया।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की रफ्तार

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा के दौरान केंद्रीय मंत्री ने नक्सल प्रभावित इलाकों में 'नेलानार योजना' के तहत हो रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि यह योजना विकास को सबसे कठिन इलाकों तक ले जा रही है।

कृषि के लिए बहुआयामी रणनीति

चौहान ने बताया कि पारंपरिक खेती के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और बागवानी जैसे सहयोगी क्षेत्रों में भी राज्य को आगे बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने वैज्ञानिक कृषि, जैविक खेती और फसल चक्र जैसे नवाचारों को अपनाने पर जोर दिया।

केंद्र-राज्य साझेदारी से बनेगा नया मॉडल

बैठक के अंत में केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य की साझा पहल से छत्तीसगढ़ कृषि और ग्रामीण विकास में देश के लिए रोल मॉडल बन सकता है। मुख्यमंत्री ने इस संकल्प को जमीन पर उतारने के लिए हरसंभव कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

आरक्षण का धंधा ट्रेन की तरह

सुप्रीम कोर्ट ने देश में आरक्षण की तुलना ट्रेन से करते हुए कहा है कि जो लोग डिब्बे में चढ़ जाते हैं, 'वे नहीं चाहते कि दूसरे अंदर आएं।' जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिर सिंह की पीठ ने महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण का विरोध करने वाली याचिका की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। दरअसल, यह याचिका स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण बिना यह पता लगाए दिए जाने के खिलाफ थी कि आरक्षण पाने वाले राजनीतिक रूप से पिछड़े हैं, भी या नहीं। इस पर शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि देश में आरक्षण का धंधा ट्रेन की तरह हो गया है। जो रेलगाड़ी के डिब्बे में चढ़ गए हैं, वे नहीं चाहते कि कोई और अंदर आए। यही पूरा खेल है। याचिका डालने वाले का भी यही खेल है। याचिकाकर्ता मंगेश शंकर सासाने ने कहा कि राजनैतिक पिछड़ापन सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन से अलग है, और ओबीसी को स्वयंमेव राजनीतिक रूप से पिछड़ा नहीं माना जा सकता है। ओबीसी के भीतर आरक्षण के उद्देश्य से राजनीतिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वगरे को पहचाना जाना चाहिए। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब कोई समावेशिता के सिद्धांत का पालन करता है, तो राज्यों को अधिक वर्ग की पहचान करने के लिए बाध्य होना पड़ता है। सामाजिक रूप से, राजनीतिक रूप से और आर्थिक रूप से कोई पिछड़ा होगा तो उसे लाभ से वंचित क्यों किया जाना चाहिए। आरक्षण का मुद्दा देश में इस कदर संवेदनशील हो चुका है कि समाज में अलगाव और असंतोष का जब-तब रूप लेता दिखाई पड़ा है। ओबीसी में क्रीमी लेयर का मसला भी इसी के चलते से उभरा है। अनेक जातियां और सामाजिक समूह भी आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग करने लगे हैं। दरअसल, जातिगत आरक्षण के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 16 की जरूरतों को पूरा करने के लिए आरक्षण की व्यवस्था है। आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक रूप से पीछे रह गई जातियों को आरक्षण का लाभ इसलिए दिया जाता है कि वे संविधान के समानता के सिद्धांत का लाभ उठा कर अन्य जातियों के बराबर आ जाएं। लेकिन समाज में आरक्षण को लेकर पनपे व्यापक असंतोष के चलते जब-तब पिछड़ेपन को फिर-फिर परिभाषित करने की नौबत आ ही जाती है।

युद्ध में वीर रस के कवियों का योगदान

विवेक रंजन श्रीवास्तव

इतिहास से वर्तमान तक भारतीय साहित्य और संस्कृति में वीर रस का स्थान अद्वितीय है। यह रस युद्ध, शौर्य, और पराक्रम की भावना को जगाने वाला माना जाता है। जब हम फिल्में देखते हैं तो भावना में भी कर कभी रोते कभी हंसते तो कभी क्रोधित होने लगते हैं या डर जाते हैं, अर्थात हमारे मनोभाव रचना के रस से प्रभावित होते ही हैं। प्राचीन काल से ही राजाओं की सेनाओं में वीर रस के कवि और गायक साथ चलते थे, जो योद्धाओं को प्रेरित करते थे और उनके शौर्य को अमर बनाने के लिए गाथाएँ रचते थे। आधुनिक समय में भी हरिओम पवार जैसे कवि इस परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। आल्हा गायन की परंपरा, और समकालीन रचनाओं के माध्यम से वीर रस का योगदान हमारे इतिहास का हिस्सा है।

ऐतिहासिक संदर्भ देखें तो राजाओं के साथ वीर रस के गायक कवि तथा चारण भाट आदि सेना के हिस्से थे जिनका काम सेना में जोश जगाना था। इतिहास में युद्ध के मैदानों में वीर रस के कवियों की उपस्थिति एक सांस्कृतिक परंपरा रही है। राजपूत शासकों के युग में चारण और भाट योद्धाओं के साथ जाते थे। ये कवि युद्धभूमि में वीरगाथाएँ सुनाकर सैनिकों का मनोबल बढ़ाते थे। उदाहरण के लिए, महाराणा प्रताप के संघर्षों को चारण कवियों ने ऐसी शक्ति दी कि चेतक घोड़ा और भामाशाह का त्याग आज भी लोकगीतों में गूँजते हैं। मराठा शासक छत्रपति शिवाजी के समय में भीमा, तुकाराम, और रामदास जैसे संत-कवियों ने धार्मिक और वीर रस के भजनों से सेना को प्रेरित किया। शिवाजी की गणपति बप्पा मोरया की उद्घोषणा आज भी महाराष्ट्र में जोश भर देती है। इसी प्रकार, सिखों के दशम गुरु, गुरु गोबिंद सिंह ने चंडी दी वार जैसे ग्रंथों में वीर रस को स्थापित किया, जो खालसा सेना के लिए प्रेरणास्रोत बना। गीत और नारे, बुलंद आवाज से सेनाएं मुश्किल कार्य भी एकजुट होकर कर डालती थीं।

आल्हा गायन लोक परंपरा में वीर रस का प्रतीक है।

उत्तर भारत, विशेषकर बुंदेलखंड में, आल्हा गायन वीर रस की एक जीवंत परंपरा है। यह मौखिक महाकाव्य 12वीं शताब्दी के योद्धाओं आल्हा और ऊदल की वीरगाथा कहता है, जिन्होंने राजा परमाल के लिए लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की। यह गायन दशहरे के अवसर पर गाँव-गाँव में होता है, जहाँ गायकों की टोलियाँ नृत्य और संगीत के साथ इन युद्धों का वर्णन करती हैं।

आल्हा के पदों में युद्ध के दृश्यों का इतना सजीव चित्रण होता है कि श्रोता रोमांचित हो उठते हैं। उदाहरणार्थ

चढ़ गए अश्व पर, ऊदल सुजान, लिए त्रिशूल हाथ।
माहिल पर टूट पड़े, जैसे सिंह नर-नाग पर।

इन पंक्तियों में ऊदल के पराक्रम को शब्दों में उतारा गया है। यह परंपरा न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि सामूहिक स्मृति में वीरता के आदर्शों को भी स्थापित करती है।

हरिओम पवार: वीर रस की आधुनिक अभिव्यक्ति के प्रतीक कवि हैं।

आधुनिक युग में वीर रस के कवियों ने अपनी रचनाओं को समकालीन संदर्भ दिए हैं। उनकी कविताएँ न केवल ऐतिहासिक योद्धाओं, बल्कि आज के सैनिकों और सामाजिक न्याय के लिए लड़ने वालों को समर्पित हैं। उनकी एक कविता में वे लिखते हैं:

वीर वही, जो धर्म की रक्षा में खड़ा हो,
अन्याय के आगे, तलवार बनकर लड़ा हो।

हरिओम की रचनाएँ ग्रामीण समारोहों और स्कूलों में सुनाई जाती हैं, जहाँ युवाओं में देशभक्ति और साहस की भावना जागृत करती हैं। वीर रस की सांस्कृतिक धरोहर हमारे साहित्य की बड़ी पूंजी है।

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट भ्रष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों की विनाश और सैकड़ों आतंकियों के अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए।

पाकिस्तानी सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी—बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिये हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिये गये होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में पीएम मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है।

साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रम्प ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और पीएम मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की वायु निकाल दी।

एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और पीएम मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा। पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य है भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है। भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए। जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्की और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वायदा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिये है, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है।

विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक बात भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया।

यह बात जान लीजिए कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान की आतुरता का मुख्य कारण यह था कि उसे लगा कि पहले अपने अस्तित्व को बचाना आवश्यक है। वो उस नीति पर चल रहा था कि बचेंगे, तो भविष्य में लड़ेंगे। तो उसने अपना बचाव कर लिया है। और वह भविष्य में लड़ेगा यह मान कर चलिए। निकट समय में ही आपको किसी ने किसी आतंकवादी घटना का दुखद समाचार सुनने, देखने और पढ़ने को मिलेगा। पाकिस्तान रुकने वाला नहीं है। वास्तव में जिस दिन पाकिस्तान आतंकवाद रोक देगा, उसके अस्तित्व का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे सैन्य बल पाकिस्तान के चरित्र से परिचित हैं। इसलिए राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पीएम मोदी ने तमाम अहम बातों के अलावा यह भी स्पष्ट कर दिया की ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित ही हुआ है। अर्थात् यह कि आतंक के विरुद्ध भारत का एक्शन जारी रहेगा।

विपक्षी गठबंधन की चिंता में जाति जनगणना फैसला

अजीत द्विवेदी

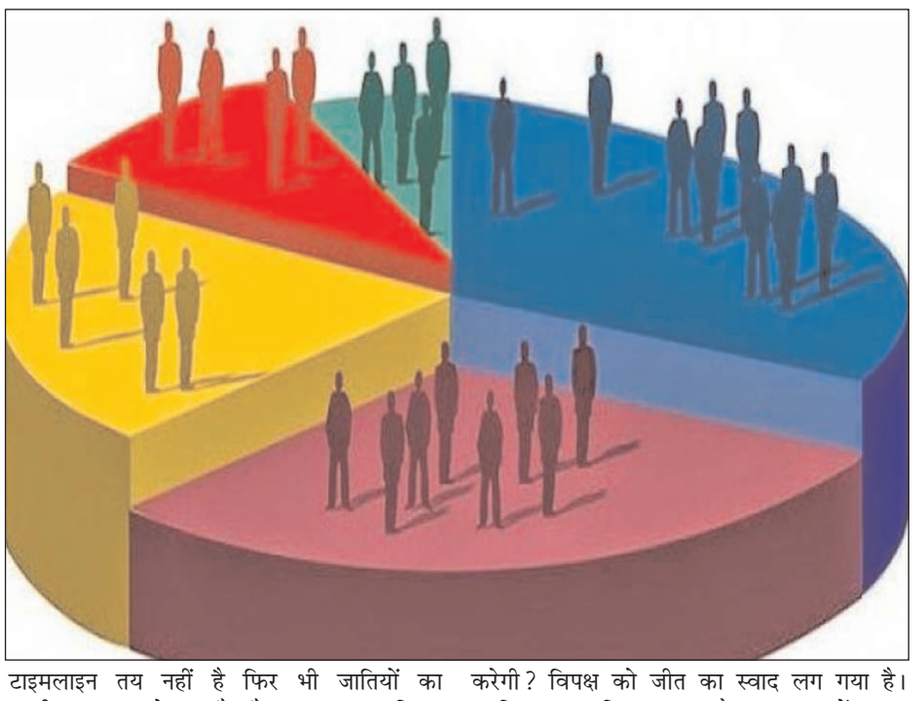

यह लाख टके का सवाल है कि केंद्र सरकार जाति जनगणना करा लेगी उसके बाद क्या होगा? कुछ भोले भाले राजनीतिक और सामाजिक विश्लेषक कह रहे हैं कि जाति जनगणना बहुत अच्छी है लेकिन उसका राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, बल्कि उसके आंकड़ों का इस्तेमाल वंचित समूहों को लाभ पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए। यह आदर्श स्थिति है। लेकिन भारत में कभी भी आदर्श स्थिति में कोई काम नहीं होता है। यहां सारा काम राजनीतिक लाभ हानि के हिसाब से होता है।

इसलिए यह तय मानें कि जातियों की गिनती से जो भी आंकड़ा आएगा उसका राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल होगा। यह भी तय मानें कि सामाजिक-आर्थिक गणना में किसी को आर्थिक स्थिति के आंकड़ों से कोई मतलब नहीं होगा। किस जातीय समूह की आर्थिक स्थिति क्या है यह जानने में किसी की दिलचस्पी नहीं है। बिहार की जाति गणना इसकी मिसाल है। उसके मुताबिक बिहार में 94 लाख परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक आय छह हजार रुपए से कम है। सोचें, एक परिवार में अगर पांच आदमी है और परिवार महीने में छह हजार रुपए कमा रहा है इसका क्या मतलब है?

इसका मतलब है कि करीब पांच करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनकी मासिक आमदनी छह सौ रुपए है। लेकिन इस आंकड़े से किसी को कोई सरोकार नहीं है। सबका सरोकार इस बात से है कि बिहार में पिछड़े और अतिपिछड़े 63 फीसदी हैं, दलित करीब 20 फीसदी हैं और सवर्ण साढ़े 15 फीसदी हैं।

तभी जाति जनगणना से जो भी आंकड़े आएंगे उसमें अलग अलग जातीय समूहों की आर्थिक स्थिति से किसी को कोई मतलब नहीं होगा। सबको जाति के आंकड़ों से मतलब होगा। किस जाति की कितनी संख्या है। इससे कुछ जातियों का वर्चस्व हो सकता है कि कम हो तो कुछ नई जातियों का वर्चस्व स्थापित हो। तभी सभी जातीय समूहों की ओर से सोशल मीडिया में अपील की जा रही है कि सब अपनी मूल जाति लिखें। कोई भी व्यक्ति अपनी उप जाति या गोत्र या उपनाम आदि को जाति के तौर पर दर्ज नहीं करे।

ध्यान रहे पिछली बार सरकार ने जातियों की सूची नहीं बनाई थी इसलिए लाखों जातियां दर्ज हो गईं। लोगों ने जाति की जगह उपजाति, अपना मूल, गोत्र, गांव का नाम, उपनाम आदि दर्ज कराया। इस बार कहा जा रहा है कि सरकार अंग्रेजों के जमाने में दर्ज करीब चार हजार जातियों की सूची बनाएगी और लोगों से उसी में से जाति चुनने को कहा जाएगा। हालांकि अभी जाति जनगणना की कोई टाइमलाइन तय नहीं है फिर भी जातियों का ध्रुवीकरण शुरू हो गया है और पहला चुनाव बिहार विधानसभा का है।

यह स्पष्ट है कि फैसला अचानक नहीं हुआ है। भाजपा लोकसभा चुनाव के बाद से इस पर विचार कर रही थी। उसको लग रहा था कि संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ और जाति जनगणना कराओ का 'इंडिया' ब्लॉक का अभियान कामयाब रहा, तभी भाजपा की सीटें कम हुईं। इसलिए भाजपा को बिहार विधानसभा चुनाव, उसके बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और फिर लोकसभा का चुनाव हारने की चिंता सता रही थी। उसी चिंता में केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार ने विपक्ष को बैकफुट पर ला दिया।

विपक्ष को अंदाजा नहीं था कि सरकार यह फैसला करेगी। आखिर संसद में केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने कहा हुआ है कि सरकार ने नीतिगत तौर पर जाति गणना नहीं कराने का फैसला किया है। यह बात 2021 में सरकार ने कही थी। लेकिन 2024 के नतीजों ने सब कुछ बदल दिया। अब पक्ष और विपक्ष में इसका श्रेय लेने की होड़ चल रही है। भले भाजपा के नेता कुछ भी कहें लेकिन हकीकत यह है कि सरकार ने राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन की चिंता में यह फैसला किया है।

तभी सवाल है कि इसके आगे क्या? विपक्ष की चिंता में या विपक्ष का एजेंडा छीन लेने की रणनीति के तौर पर सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला कर लिया। लेकिन उसके बाद सरकार क्या करेगी? विपक्ष को जीत का स्वाद लग गया है। इसलिए वह जाति जनगणना के बाद का एजेंडा तय कर रहा है। क्या विपक्ष की चिंता में सरकार उसके बाकी एजेंडे को भी स्वीकार करेगी? विपक्ष का एजेंडा है आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को समाप्त करने का। उसका एजेंडा है निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान करने का। नया एजेंडा है न्यायपालिका में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने का।

नया एजेंडा है निजी शिक्षण संस्थानों में दाखिले में आरक्षण लागू करने का। नया एजेंडा है सरकारी ठेके और खरीद में आरक्षण देने का और नया एजेंडा है लोकसभा व राज्यों की विधानसभाओं में पिछड़ी जातियों के लिए सीटें आरक्षित करने का। क्या केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार इसके लिए तैयार होगी?

राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के समय से नारा लगा रहे हैं कि 'जितनी आबादी उतना हक'। यह इस समाजवादी नारे की तरह है कि 'पिछड़ा पावे सौ में साठ'। बसपा के संस्थापक कांशीराम ने भी नारा दिया था, 'जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी'। सो, कह सकते हैं कि राहुल गांधी कोई नया नारा नहीं दे रहे हैं लेकिन चूंकि वे देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता हैं इसलिए उनके नारा देने का असर ज्यादा है।

अगर वे आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को कूड़े के ढेर में फेंकने की बात कर रहे हैं तो सरकार इसकी अनदेखी नहीं कर सकती है। सबको पता है कि यह सीमा सुप्रीम कोर्ट ने तय की है लेकिन इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कूड़े में फेंकने में राहुल गांधी को कोई परेशानी नहीं है।

बहरहाल, विपक्षी पार्टियां कह रही हैं और यह हकीकत भी है कि सरकारी नौकरियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। इसी तरह सरकारी शिक्षण संस्थानों की संख्या सीमित है और वहां गुणवत्ता लगातार कम होती जा रही है। नौकरी निजी सेक्टर में है और शिक्षा भी निजी संस्थानों में ही है। इसलिए विपक्षी पार्टियां निजी नौकरियों और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की मांग कर रही हैं। सरकार के जाति जनगणना कराने के फैसले से पहले कांग्रेस ने अहमदाबाद में अपना अधिवेशन किया था, जिसमें आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ाने और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया था।

इसके बाद तेजस्वी यादव ने बिहार में अपने एजेंडा जारी किया, जिसमें उन्होंने न्यायपालिका और विधायिका में आरक्षण की मांग की। अगर सरकार एक बार विपक्ष के आगे झुकी है और उसके दबाव में जाति गणना करा रही है तो फिर जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर आरक्षण की सीमा बढ़ाने, निजी नौकरी व निजी शिक्षण संस्थान में आरक्षण देने, ठेके या सरकारी खरीद में आरक्षण देने और न्यायपालिका व विधायिका में आरक्षण लागू करने की मांग से कैसे इनकार करेगी?

वैसे इससे पहले सरकार किसानों के सामने भी झुकी थी और उसका आंदोलन खत्म कराने के लिए तीनों विवादित कृषि कानून वापस लिए थे। लेकिन उस समय किया गया कोई भी वादा सरकार ने पूरा नहीं किया है और अब किसान आंदोलन इतने हिस्से में बंट गया है कि एक साल से ज्यादा चले उनके आंदोलन का कोई असर नहीं हुआ। हालांकि किसान आंदोलन और आरक्षण का मामला अलग अलग हैं। लेकिन यह सवाल है कि क्या जातिगत जनगणना के आंकड़े जातियों के अंदर ऐसा विभाजन बनवा देंगे कि सरकार को विपक्ष के एजेंडे की चिंता करने की जरुरत नहीं रह जाएगी?

हो सकता है कि जातियों के आंकड़े से कुछ जातियों का वर्चस्व टूटे, कुछ नई जातियां ताकतवर होकर उभरें, आरक्षण के लाभ से वंचित रही जातियों की हकीकत सामने आए और सरकार आरक्षण का वर्गीकरण करके उन जातियों को सशक्त बनाने का प्रयास करे, जिससे नए सामाजिक व राजनीतिक समीकरण बनें। यह भी हो सकती है कि कुछ पिछड़ी जातियां सामान्य वर्ग की जातियों से आर्थिक रूप से ज्यादा सशक्त निकलें। उनका क्या किया जाएगा? आर्थिक आंकड़ों के आधार पर क्रीमी लेयर की नई सीमा तय हो सकती है। कहने का मतलब है कि यथास्थिति टूटने वाली है और मौजूदा व्यवस्था का विघटन होने वाला है। इस विघटन को जो बेहतर ढंग से साध लेगा, राजनीतिक लाभ उसी को मिलेगा।

वृषभ संक्रांति के दिन इन चीजों का करें दान

हिन्दू धर्म में वृषभ संक्रांति का बहुत अधिक महत्व होता है। यह एक महत्वपूर्ण पर्व है जो सूर्य के मेष राशि से वृषभ राशि में गोचर करने पर मनाया जाता है। यह ज्येष्ठ माह की शुरुआत का प्रतीक है। इस महीने की 15 तारीख को सूर्यदेव वृषभ राशि में गोचर में करेंगे। इस गोचर से वृषभ संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। 'वृषभ' का अर्थ बैल होता है और इसे भगवान शिव के वाहन नंदी से जोड़ा जाता है। इसलिए इस दिन गायों की पूजा का भी महत्व है। वृषभ संक्रांति का दिन दान और पुण्य कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। सूर्य इस दिन अपनी चाल बदलते हैं, इसलिए उनकी पूजा और आराधना विशेष फलदायी होती है। पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भी इस दिन दान और तर्पण किया जाता है।

वृषभ संक्रांति की पूजा विधि और अनुष्ठान

सुबह जल्दी उठकर पवित्र स्नान करें। यदि संभव हो तो किसी पवित्र नदी में स्नान करना उत्तम माना जाता है। सूर्य देव को जल अर्पित करें। तांबे के बर्तन में जल, लाल चंदन और लाल फूल डालकर सूर्य मंत्रों का जाप करते हुए अर्घ्य दें। भगवान विष्णु की पूजा करें, क्योंकि वृषभ भगवान शिव से संबंधित हैं और इस दिन विष्णु की पूजा शुभ मानी जाती है। पितृ तर्पण करें और अपने पूर्वजों को याद करें और अपनी क्षमतानुसार दान करें। इस दिन गेहूं, लाल वस्त्र, लाल फूल, गुड़, घी और तांबे के बर्तन दान करना विशेष रूप से शुभ माना जाता है। जरूरतमंदों को भोजन और जल दान करना भी पुण्य का कार्य है। कुछ लोग इस दिन व्रत भी रखते हैं और गौशाला में जाकर गायों की सेवा करना और उन्हें चारा खिलाना भी शुभ माना जाता है।

इन चीजों का करें दान

गेहूं: गेहूं का दान करना समृद्धि से जुड़ा हुआ है और यह जीवन में स्थिरता प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

लाल वस्त्र: लाल रंग सूर्य से संबंधित है। लाल वस्त्रों का दान करने से सूर्य देव प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

लाल फूल: लाल वस्त्रों की तरह, लाल फूल अर्पित करना और दान करना सूर्य का सम्मान करने का एक तरीका है।

गुड़: गुड़ को शुद्ध माना जाता है और इसका दान करने से जीवन में मिठास और सौभाग्य आता है।

घी: घी का उपयोग कई पवित्र अनुष्ठानों में किया जाता है और इसका दान करना शुभ माना जाता है।

तांबे के बर्तन: तांबा सूर्य से जुड़ी धातु है। तांबे के बर्तन दान करना लाभकारी हो सकता है।

जरूरतमंदों को भोजन: गरीबों और ब्राह्मणों को भोजन कराना इस दिन अत्यंत पुण्य का कार्य माना जाता है और इससे पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है।

जल: जल का दान करना या जरूरतमंदों को पानी पिलाना, खासकर जब गर्मी शुरू हो रही हो, एक पुण्य कार्य है। आप गंगाजल को सामान्य पानी में मिलाकर भी दान कर सकते हैं।

धन: जरूरतमंदों या धर्मार्थ कार्यों के लिए धन का दान करना हमेशा एक अच्छा कार्य है।

हेयर ट्रीटमेंट के बाद ऐसे करें बालों की केयर

हम सभी अपने बालों को स्मूथ, सिल्की और शाइनी बनाना चाहते हैं और इसके लिए पार्लर जाकर हेयर ट्रीटमेंट करवाना हमें काफी अच्छा लगता हैं। हेयर ट्रीटमेंट यकीनन आपके बालों को और भी अधिक खूबसूरत बनाता है, लेकिन कुछ वक्त बाद बाल रूखे और बेजान नजर आने लगते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि हेयर ट्रीटमेंट के बाद हम बालों की सही तरह से केयर नहीं करते हैं।इसलिए, हमेशा यह सलाह दी जाती है कि केमिकल हेयर ट्रीटमेंट के बाद बालों की अतिरिक्त केयर करनी चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप हेयर ट्रीटमेंट के बाद अपने बालों को पैम्पर कर सकते हैं-

हीट स्टाइलिंग टूल्स से बचें

हेयर ट्रीटमेंट के बाद बाल काफी कमजोर हो जाते हैं और ऐसे में उन्हें नरिशमेंट की जरूरत होती है। लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हेयर ट्रीटमेंट के बाद लोग हीट स्टाइलिंग (हीट स्टाइलिंग से खराब हुए बालों को ऐसे करें ठीक) टूल्स जैसे फ्लैट आयरन और कर्लिंग आयरन आदि का इस्तेमाल करने लग जाते हैं। लेकिन इस तरह के टूल्स से निकलने वाली गर्मी बालों को और भी ज्यादा डैमेज कर सकती हैं। इसलिए, जहां तक संभव हो, आपको इनका इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। अगर आपको उनका उपयोग करना ही है, तो पहले हीट प्रोटेक्टेंट को जरूर लगाएं।

गर्म पानी का ना करें इस्तेमाल

अगर आपने हेयर ट्रीटमेंट करवाया है तो ऐसे में बालों की केयर (रोजाना इस तरह करें बालों की केयर) करने के लिए आपको पानी के तापमान का भी ध्यान रखना चाहिए। कोशिश करें कि आप अपने बालों को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल ना करें। इससे बाल रूखे हो जाते हैं और वे बेजान हो जाते हैं। इसलिए, अपने बालों को नॉर्मल पानी से धोने की कोशिश करें।

सही प्रोडक्ट्स का करें इस्तेमाल

हेयर ट्रीटमेंट करवाने के बाद यह बेहद जरूरी होता है कि आप अपने हेयर प्रोडक्ट्स पर भी थोड़ा ध्यान दें। आजकल मार्केट में ऐसे कई प्रोडक्ट्स होते हैं, जो खासतौर से केमिकल हेयर ट्रीटमेंट के लिए बनाए जाते हैं। जब आप इन हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं तो इससे बाल लंबे समय तक ऐसे ही बने रहते हैं।

बालों को धूप से करें प्रोटेक्ट

यूवी किरणें बालों के कलर को फीका कर सकती हैं और बालों को कमजोर कर सकती हैं। हेयर ट्रीटमेंट के बाद बाल यूवी किरणों के प्रति और भी ज्यादा सेंसेटिव हो जाते हैं। बाल लंबे समय तक सूरज की रोशनी के संपर्क में ना आएं। अगर बाहर जाना पड़ता है तो ऐसे में आप अपने सिर को कवर करें या फिर यूवी-प्रोटेक्टिव प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें।

प्रदूषण के असर को बेअसर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

बढ़ते प्रदूषण के स्तर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की चिंता भी बढ़ गई है। प्रदूषण के कारण हवा सांस लेने लायक नहीं रह जाती है। वातावरण में घुली जहरीली हवा फेफड़े, दिल और शरीर के अन्य अंगों पर बुरा असर डालती है।

संतरा-

संतरा को विटामिन सी का अच्छा सोर्स माना जाता है। यह फल प्रदूषण से बचाने में मदद कर सकता है। संतरे का सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है, जो प्रदूषण से होने वाले खतरे से बचाने में मदद कर सकती है।

काली मिर्च-

काली मिर्च को 'मसालों का राजा' के रूप में जाना जाता है। काली मिर्च के पाउडर के साथ शहद मिलाकर खाने से प्रदूषण की वजह से सीने में जमा कफ में आराम मिल सकता है।

अदरक-

बदलते मौसम में अदरक का सेवन मौसमी संक्रमण से बचाने के साथ इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाए रखता हैं। अदरक को आप चाय या शहद के साथ इस्तेमाल कर सकते हैं।

गुड़-

खाने के बाद गुड़ का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह पाचन में मदद करके शरीर का मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है। आयुर्वेद के मुताबिक फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों में गुड़ का इस्तेमाल बेहद फायदेमंद होता है। यह सांस से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम करता है। गुड़ का रोजाना इस्तेमाल करने से ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी सांस से जुड़ी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है। गुड़ में मौजूद आयरन खून में ऑक्सीजन की सप्लाई को सुचारू बनाए रखने में मदद करता है। जिससे प्रदूषण से बचाव हो सकता है।

नट्स-

सेहत के लिए बादाम, पिस्ता, अखरोट जैसे नट्स का सेवन फायदेमंद माना जाता है। ये सभी चीजें विटामिन ई का अच्छा स्त्रोत मानी जाती हैं। विटामिन ई प्रदूषण से बचाव करता है।

हल्दी-

हल्दी में मौजूद एंटी-इंफ्लामेटरी गुण और करक्यूमिन फेफड़ों को प्रदूषकों के जहरीले प्रभाव से

नए घर में गृह प्रवेश करते समय वास्तु के इन नियमों को जरूर करें फॉलो

ना हो बचा हुआ सामान

अगर आपके नए घर का काम पूरा हो गया है तो यह अवश्य सुनिश्चित करें कि गृह प्रवेश के दौरान वहां पर पुराना या बचा हुआ सामान इधर-उधर फैला ना हो। अगर आपके नए घर का काम अभी बचा हुआ है तो ऐसे में आप उसे दक्षिण या पश्चिम दिशा में रख सकते हैं। इसके अलावा, उस सामान को स्टोर में या फिर छत पर भी रखा जा सकता है।

कपड़ों पर दें ध्यान

जब आप गृह प्रवेश कर रहे हैं तो आपको यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आप किस रंग के कपड़े पहन रहे हैं। चाहे पुरूष हो या महिला, पीले या लाल रंग के कपड़े पहनकर गृह प्रवेश करना काफी अच्छा माना जाता है। कोशिश करें कि आप काले रंग के कपड़े पहनकर कभी भी गृह प्रवेश ना करें।

उत्तर-पूर्व में रखें जल

जब आप घर में गृह प्रवेश करते हैं तो घर में आते ही आपको सबसे पहले उत्तर-पूर्व दिशा में जल रखना चाहिए। साथ ही, यह कोशिश करें कि आप वहां पर सबसे पहले जल का ही सेवन करें। कुछ लोग गृह प्रवेश के बाद घर में पार्टी देते हैं और उस दौरान शराब आदि का सेवन करते हैं। लेकिन गृह प्रवेश के बाद व्यसन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। अगर संभव हो तो उस दिन तामसिक भोजन से भी बचें। हमेशा यह सलाह दी जाती है कि नए घर में सबसे पहले कुछ मीठा बनाएं और उसमें केसर जरूर डालें। इससे वहां पर मौजूद लोगों को तुरंत पॉजिटिविटी मिलती है।

बनाएं पूजा स्थान

जब आपने गृह प्रवेश कर लिया है तो आपको यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि आप वहां पर सबसे पहले पूजा स्थान बनाएं। कोशिश करें कि आप अगले ही दिन से नियमित रूप से पूजा-पाठ कर सकें। आप चाहें तो घर की बाकी सेटिंग्स को बाद में अरेंज कर सकती हैं, लेकिन अपने पूजा स्थान को पहले सेटल करें। जिससे आपके पूजा का नियम टूटे नहीं।

खोल दें खिड़की दरवाजे

जब आप गृह प्रवेश करते हैं तो उसके तुरंत बाद घर के खिड़की दरवाजे खोल दें, फिर चाहे वे किसी भी दिशा में हों। दरअसल, नए घर में पेंट से लेकर केमिकल्स की काफी महक होती है। ऐसे में खिड़की आदि खोलने से ना केवल घर में हवा पास होती है, बल्कि नेचुरल वाइब्रेशन भी ट्रैवल करती है।

प्लेन परदों को डेकोरेट करने के तरीके

लगाएं पॉम-पॉम

अगर आपको ऐसा लग रहा है कि आपके प्लेन परदे बहुत बोरिंग लग रहे हैं तो ऐसे में उसे एक इंटरस्टिंग लुक देने का सबसे अच्छा तरीका पॉम-पॉम का इस्तेमाल करना है। आपको मार्केट में आसानी से कलरफुल पॉम-पॉम मिल जाएंगी। इन्हें आप अपने परदों के कॉर्नर पर स्टिच कर सकती हैं।

दें बो टाई बैक लुक

यह एक सिंपल तरीका है, लेकिन इससे प्लेन परदे देखने में बेहद ही क्लासी लगता है। इसके लिए आप परदे से मैचिंग या फिर कंट्रास्टिंग फैब्रिक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आप परदे को बांधें और उसे बांधते समय एक बिग बो लुक दें। जब आप इस तरह से परदे को टाई बैक करती हैं तो इससे आपका पूरा कमरा ही बेहद एलीगेंट लुक देता है।

बीड्स का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने प्लेन परदों को बिना किसी अतिरिक्त मेहनत के बेहद ही खूबसूरत लुक देना चाहती हैं तो ऐसे में बीड्स या क्रिस्टल स्ट्रिंग का इस्तेमाल करना अच्छा आइडिया हो सकता है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि आप पहले इस स्ट्रिंग को रॉड पर हैंग करें। इसके बाद आप अपने प्लेन परदे को हैंग करें। आखिरी में आप एक दूसरी स्ट्रिंग को हैंग करें। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल नजर आएगी।

प्रिंटेड फैब्रिक का करें इस्तेमाल

अगर आपको ऐसा लग रहा है कि आपका प्लेन परदा देखने में काफी बोरिंग लग रहा है तो ऐसे में आप प्रिंटेड फैब्रिक का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप सादे परदों पर प्रिंटेड फैब्रिक ओवरले लगाएं। आपको इसे अपने प्लेन परदे के साथ स्टिच करने की जरूरत नहीं है। लेकिन फिर भी इससे आपके परदे को एक पैटर्न लुक मिलता है।

मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है गुस्सा

गुस्सा हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। गुस्सा सेहत के लिए, रिश्तों के लिए, आस-पास के लोगों के लिए, किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता है। कुछ लोगों को छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आ जाता है, जो कि गलत है। कई बार तनाव, कोई उलझन गुस्से का कारण बन सकती है। वहीं, कई लोग गुस्से और चिड़चिड़ेपन को अपनी आदत बना लेते हैं। आपको बता दें कि अगर आप हर छोटी बात पर गुस्सा करते हैं, तो आपकी सेहत खराब हो सकती है।

गुस्से को दूर करने के लिए बहुत सारी चीजें जरूरी हैं, जिनमें चीजों को मन में न दबाना, बोलने से पहले सोचना और किसी भी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया न देना शामिल है। इसके अलावा, गुस्से को शांत करने के लिए आप इस मुद्रा की मदद ले सकते हैं।

गुस्से को कंट्रोल करने के लिए मुष्टी मुद्रा

सबसे पहले सुखासन में बैठ जाएं। फिर अपने हाथों की हथेलियों से मुट्ठी बनाएं। अंगूठा ऊपर की ओर रखें। उंगलियों और अंगूठे को ऐसे मोड़े कि आपका अंगूठा ऊपर से आपकी रिंग फिंगर को छुए।

अपनी आंखे बंद करें और गहरी सांस लें। इसे दिन में 3 बार 15 मिनट के लिए करें।

मुष्टी मुद्रा के फायदे

इससे स्ट्रेस और एंग्यायटी कम होती है व दिमाग को आराम मिलता है।

अगर आप इमोशनली परेशान महसूस कर रहे हैं, तो इस जरूर करें।

यह शरीर में ऊर्जा को बढ़ाती है।

आपके फोकस और मेंटल क्लियरटी को भी बढ़ाती है।

कई तरह के दर्द में भी राहत मिलती है। मुष्टी मुद्रा करते वक्त सावधानियां इस मुद्रा को करते वक्त आपको दिमाग को शांत करना चाहिए। सभी नेगेटिव इमोशन्स को छोड़कर पॉजिटिविटी पर फोकस करें और अपनी भावनाओं को साफ रखें।

सुबह की चाय या कॉफी को इन आदतों से बनाएं हेल्दी

पहले पानी पिएं

खाली पेट सुबह के वक्त पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके काफी सारे फायदे है। अगर आप सुबह उठते ही चाय-कॉफी पीते हैं तो कोशिश करें कि कम से कम चाय के पहले एक गिलास पानी पी लें। ये शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएगा और शरीर के टॉक्सिंस भी आसानी से निकलेंगे। कुछ दिन की आदत के बाद ही आपकी पानी पीने की मात्रा बढ़ जाएगी।

आर्टीफिशियल स्वीटनर को कहें ना

सुबह की शुरुआत चाय-कॉफी से करते हैं तो उसके साथ स्वीटनर ना लें। आर्टीफिशियल स्वीटनर मोटापा, डायबिटीज जैसी बीमारियों को बढ़ाता है। इसलिए शुगर फ्री चाय-कॉफी पिएं या इसकी मात्रा पर कंट्रोल करें।

चीनी की मात्रा नियंत्रित करें

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक महिलाओं रोजाना केवल छह चम्मच चीनी लेनी चाहिए। चाय-कॉफी को शुगर फ्री बनाने के लिए हर दिन थोड़ी मात्रा में चीनी कम करें। ऐसा करने से धीरे-धीरे हैबिट बनेगी और चीनी लेना बंद कर पाएंगे।

दालचीनी या कुछ मसाले मिक्स करें

अगर आप चाय-कॉफी नहीं छोड़ पा रहे हैं तो इसमे कुछ मसाले मिलाएं। जैसे दालचीनी, हल्दी, जायफल, लौंग। एक चुटकी इन मसालों का पाउडर आपकी कॉफी को हेल्दी बनाएगा और कई सारी बीमारियों से बचाने में मदद करेगा। दालचीनी को कॉफी या चाय में मिलाकर पीने से इंसुलिन और ब्लड शुगर रेगुलेट होता है।

चाय-कॉफी के साथ लें हेल्दी स्नैक्स

चाय और कॉफी के साथ कभी भी बिस्कुट, रस्क, नमकीन, मठरी जैसी अनहेल्दी चीजों को ना खाएं। इसकी बजाय नट्स, पंपकिन सीड्स, अखरोट खाएं। ये आपको हेल्दी रखने में मदद करेंगे।

रोज सुबह बिस्तर में ही करें ये एक्सरसाइज

हेल्दी रहने के लिए सुबह समय पर जागना और रात को समय पर सोना जरूरी है। इसके साथ ही दिन की शुरुआत आप किस तरह से कर रही हैं, इसका भी आपकी फिटनेस पर असर होता है। अक्सर लोग फिटनेस पर तब ध्यान देते हैं, जब इसके खराब होने की वजह से सेहत से जुड़ी परेशानियां होने लगती हैं। फिट रहने, मोटापा कम करने और बीमारियों से बचाव करने के लिए एक्सरसाइज करना जरूरी है। लेकिन ज्यादातर लोग अपने बिजी शिड्यूल की वजह से एक्सरसाइज के लिए टाइम नहीं निकाल पाते हैं।

एक्सरसाइज 1

सबसे पहले बिस्तर पर बैठ जाएं।

पालती मार कर बैठ जाएं।

दोनों पैरों को इसी पोजिशन में एक-दूसरे से थोड़ा दूर करें।

तकिये को वर्टिकल पोजिशन में अपने आगे रखें।

दोनों हाथों को सामने की तरफ रखते हुए तकिए की ओर झुकें।

फिर वापिस पुरानी पोजिशन में आ जाएं। ऐसा 5-7 बार करें।

क्या होंगे फायदे?

इससे रीढ़ की हड्डी को मजबूती मिलती है। पेट की मांसपेशियों को आराम मिलता है।

एक्सरसाइज 2

बिस्तर पर बैठ जाएं।

पैरों को आगे की तरफ फैलाएं।

अपने हाथों को घुटनों पर रखें।

अब धीरे-धीरे अपने तलवों को तरफ झुकें। फिर पुरानी पोजिशन में वापिस आ जाएं। ऐसा 5-7 बार करें।

क्या होंगे फायदे?

इससे पेट की चर्बी कम होगी। गर्दन, कंधे और पीठ का लचीलापन बढ़ेगा। इमोशनल बैलेंस बढ़ता है। पेट की मांसपेशियों पर दवाब बढ़ेगा। पेट आसानी से साफ होगा।

लिविंग रूम को रि-अरेंज करते समय फॉलो करें ये टिप्स

बनाएं एक नया फोकस प्वॉइंट

फोकस प्वॉइंट वह होता है, जिस पर हर किसी की नजर सबसे पहले पड़ती है। आपके लिविंग रूम में भी कोई ना कोई फोकस प्वॉइंट जरूर होगा। जब आप अपने लिविंग एरिया को रि-अरेंज कर रही हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने फोकस प्वॉइंट को चेंज करने की कोशिश करें। मसलन, अगर कोई आर्टवर्क या फिर फर्नीचर पीस फोकस प्वॉइंट है तो अब आप

फर्नीचर को करें मूव

जब आप लिविंग एरिया को रि-अरेंज कर रही हैं तो इस दौरान फर्नीचर को मूव करना यकीनन अच्छा विचार है। फर्नीचर को मूव करने से पहले से यह देखें कि आप उसे किस तरह नए तरीके से अरेंज कर पाएंगी। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे फर्नीचर को मूव करते समय आपको परेशानी नहीं होगी। हमेशा पहले अपने माइंड में लेआउट बनाएं और उसके बाद ही फर्नीचर को मूव करें। हालांकि, अगर आप फर्नीचर को मूव नहीं करना चाहती हैं तो आप डिफरेंट कलर के फैब्रिक का इस्तेमाल करें। इससे भी लिविंग रूम में चेंज आता है।

लाइट सेटिंग पर दें ध्यान

लिविंग रूम को रि-अरेंज करने का मतलब सिर्फ सामान को इधर-उधर करना ही नहीं होता है, बल्कि आपको हर छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना चाहिए। मसलन, आपको लिविंग एरिया की लाइट सेटिंग पर फोकस करें। लिविंग एरिया की सेटिंग कुछ ऐसी हो, जिससे वहां पर नेचुरल लाइटिंग को मैक्सिमाइज किया जा सके। जब आप ऐसा करते हैं तो इससे लिविंग एरिया देखने में बेहद खूबसूरत लगता है।

वॉल आर्ट को करें रिअरेंज

लिविंग रूम को रि-अरेंज करते हुए आपको वॉल आर्ट में भी बदलाव करना चाहिए। आप वॉल आर्ट की प्लेसमेंट वॉल को चेंज करें या फिर आप अपनी खुद की बनाई कोई आर्ट हैंग कर सकती हैं।

वाहन चालकों पर यातायात पुलिस ने की कार्रवाई, वसूले 15 हजार

दन्तेवाड़ा (समय दर्शन)। वाहनों पर अवैध तरीके से एलईडी लाइट लगाने वाले वाहनों, मालवाहक वाहनों पर सवारी बैठाकर ले जाने वाले वाहन!, बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालक!, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों!, नो एंट्री एरिया में वाहनों का प्रवेश! आदि ऐसे 18 वाहनों और वाहन चालकों पर यातायात पुलिस दन्तेवाड़ा की कार्यवाही एवं समझाईश करते हुए कुल- 15000 (पन्द्रह हजार रूपये) का समन शुल्क वसूल किया गया।

दन्तेवाड़ा सड़क दुर्घटनाओं और दुर्घटना मृत्युदर में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा गौरव राय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) स्मृतिक राजनाला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूजा कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के. बर्मन तथा उप पुलिस अधीक्षक यातायात नसरउल्लाह सिद्दकी के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक- प्रहलाद साहू के नेतृत्व में यातायात पुलिस दन्तेवाड़ा के द्वारा वाहनों पर अवैध तरीके से स्ब्वष्ठ लाइट लगाने, मालवाहक वाहनों पर सवारी बैठाकर ले जाने, बिना सीट बेल्ट लगाए चार पहिया वाहन चालक, बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालक,

परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाले एवं हृश्च द्गठ्ठह्लह्म्4 एरिया में वाहनों का प्रवेश करने वाले वाहन चालकों पर लगातार चालानी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में आज दिनाँक 14.05.025 को पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा से प्राप्त निर्देशानुसार यातायात पुलिस दन्तेवाड़ा के द्वारा लगातार चालानी कार्यवाही करते हुये कुल 18 ऐसे वाहनों पर कार्यवाही कर कुल- 15000/00 (पन्द्रह हजार रूपये) का समन शुल्क वसूल किया गया। साथ ही साथ सभी स्ब्वष्ठ लाइटों को जप्त किया गया एवं दोबारा स्ब्वष्ठ लाइट न लगाने तथा सीट बेल्ट व हेलमेट का उपयोग करने हिदायत दिया गया। कार्यवाही के दौरान यातायात प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद कुमार साहू, प्रआर 543- सम्पत लाल कोशमा, प्र. आर. 348 विरेन्द्र एक्का, प्रधान आरक्षक 788 श्याम लाल राना, आरक्षक. 119 वीरेंद्र वर्मा, आर. 961 कन्हैया सिन्हा, आर. 843 ललित बारला एवं यातायात दंतेवाड़ा का अन्य स्टॉफमौजूद रहे।

संक्षिप्त-खबर

सड़कों में पुलिस विभाग द्वारा लगाए गए रेडियम

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में पुलिस विभाग द्वारा दुर्घटना में कमी और लोगो में जागरुकता लाने विभिन्न आयोजन कर लोगो को यातायात के प्रति समर्पित होने लगातार अपील किया जा रहा है।इसी तरह पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देश पर यातायात पुलिस गरियाबंद के द्वारा छुरा रोड में एक्सीडेंट की बढ़ते प्रकरण को देखते हुए छुरा रोड में एक्सीडेंटल प्वाइंट, पुल पुलिया व मोड़ पर रोड किनारे पेड़ों पर रेडियम लगाया गया,ताकि रात्रि में वाहन चलाने वाले चालकों को सड़क के मोड आसानी से दिख जाए।इस रेडियम चस्पा की दौरान यातायात विभाग के एसआई रामाधार मरकाम,धर्मेंद्र ठाकुर,मणिलाल, अनिल पाण्डेय,कोमल साहू, वीरेंद्र पटेल का विशेष योगदान रहा।

दीप्ति साहू ने किया गांव एवं विद्यालय का नाम रोशन

चांपा (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत कुरदा के कबीर चौंक निवासी शांतिलाल साहू एवं श्रीमती अमृतबाई साहू के पोती कुमारी दीप्ती साहू ने कक्षा 10 वीं में 89 त्न 66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ग्राम कुरदा एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम विद्यालय चांपा का नाम रोशन की है। कुमारी दीप्ति साहू शुरू से ही मेधावी छात्रा है। कुमारी दीप्ति साहू ने अपनी सफ्लता का श्रेय पिता श्री लक्ष्मी नारायण साहू एवं माता दिव्या साहू और प्राचार्य निखिल मसीह के अलावा पूरे स्कूल स्टाप को दी है। उनकी सफ्लता से ग्राम कुरदा एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम विद्यालय चांपा में खुशी की लहर है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के अध्यक्ष बाल संप्रेषण गृह, प्लेस ऑफसेफ्टी एवं विशेष गृह का किया निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कुशल मार्गदर्शन में 13 मई 2025 को गोकुल नगर स्थित बाल संप्रेषण गृह, प्लेस ऑफ सेफ्टी एवं विशेष गृह का निरीक्षण कर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त विधिक जागरूकता शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव ने उपस्थित बालकों को उनके विधिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा उनके संरक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस शिविर में बालकों को नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए) योजना 2015, नालसा (नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015 जैसे विभिन्न विधिक योजनाओं तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की जानकारी प्रदान की गयी। इसके साथ ही बालकों को प्राप्त मूलभूत सुविधाओं, उनकी देखभाल तथा उनकी समस्याओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गयी। बालकों ने समय पर गुणवत्तापूर्ण नाश्ता एवं भोजन मिलने की जानकारी प्रदान की। बालकों द्वारा अन्य सुविधाओं के विषय में ध्यान आकृष्ट कराए जाने पर संबंधित अधिकारी को उक्त संबंध यथासंभव शीघ्र विशेष पहल किए जाने हेतु कहा गया। बालकों के गर्मी से बचाव के लिए प्रत्येक कमरे में कुलर एवं पंखों की व्यवस्था होना पाया गया। बालकों ने समय-समय पर परामर्शदाता द्वारा काउंसलिंग किया जाना बताया गया।

बिर्रा में निशुल्क हो रहा शिक्षकों का ई केवाईसी

बिर्रा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा विभाग से जारी आदेश में छत्तीसगढ़ राज्य के सभी शासकीय सेवकों के सेवा अभिलेखों को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने के उद्देश्य से वर्ष 2019 से कार्मिक सम्पदा मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है। यह डिजिटल प्लेटफार्म शासकीय सेवकों को उनकी व्यक्तिगत एवं सेवा संबंधी जानकारी त्वरित एवं सुविधाजनक तरीके से प्रदान करती है। वर्तमान में कार्मिक सम्पदा पोर्टल में शासकीय सेवकों की जानकारी अपडेट नहीं होने के कारण उनकी सेवानिवृत्ति के उपरान्त विभिन्न प्रकार के सेवा से संबंधित कई असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन इन असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए संचालनालय कोष एवं लेखा छत्तीसगढ़ के द्वारा सभी कर्मचारियों को अपनी जानकारी अपडेट करने के लिए आदेश किया है। इसके लिए चॉइस सेंटर में जाकर सभी शासकीय सेवकों का ई केवाईसी फिंगर प्रिंट के माध्यम से किया जाना है। लेकिन चॉइस सेंटर वाले सेवा देने के बदले 50 रुपए शुल्क के रूप में ले रहे हैं।

गौरतलब है कि विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिर्रा में मां चंडी मंदिर के सामने में लीला मंडली चौक के पास शिक्षक बुद्धेश्वर प्रसाद कश्यप के द्वारा सभी शासकीय सेवकों का एवं सभी शिक्षकों का निशुल्क ई केवाईसी फिंगरप्रिंट के माध्यम से किया जा रहा है। जो गांव एवं पूरे जांजगीर चांपा जिला में चर्चा का विषय बना हुआ है। भुलेश्वर प्रसाद कश्यप के द्वारा निशुल्क ई केवाईसी करने से सभी शासकीय सेवकों एवं शिक्षकों को अपना सेवा संबंधित जानकारी,नॉमिनी परिवर्तन,बैंक खाता नंबर परिवर्तन आदि निशुल्क किया जा रहा है। कार्मिक सम्पदा मॉड्यूल अद्यतन होने से वेतन विसंगति से संबंधित समस्याएं कम होगी । इस कार्य को बिर्रा में शिक्षक बुद्धेश्वर कश्यप के द्वारा अपने निवास में नि:शुल्क कार्य करवाने के लिए इच्छुक शासकीय सेवकों एवं शिक्षक गण बुद्धेश्वर कश्यप के मोबाइल नंबर 9981 632 692 पर संपर्क कर सकते हैं।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीणों पर भालू के हमले से चार घायल

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अस्पताल में घायलों मिले, डॉक्टरो को दिए निर्देश

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के ग्राम थुवापानी के जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ाई के दौरान ग्रामीणों पर दो भालुओं ने अचानक हमला कर दिया, जिससे चार ग्रामीण घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होने डाक्टरों को बेहतर इलाज के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, खिलेश्वर साहू, रामप्रसाद बघेल, मोहन ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने घायलों और उनके परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने वन विभाग और स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जाए। वन विभाग द्वारा तत्काल राहत के तौर पर घायलों को सहायता राशि प्रदान की गई है।

घायलों में ग्राम बाघूटोला निवासी सुखराम पिता बिसाहू पटेल 60 वर्ष को सबसे अधिक चोट चेहरे में आने के कारण उसकी स्थिति गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे डाक्टरों ने रायपुर रेफर कर दिया है। वहीं बाघूटोला निवासी ही उमेंद्र पटेल पिता शिवप्रसाद 45 वर्ष, श्रीमती झूल बाई पति सोनउ साहू 35 वर्ष चिल्फी, राजमति पति भगवानी मरकाम 35 वर्ष दीयाबार हैं। इन सभी को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम द्वारा उनका इलाज जारी है। एक ग्रामीण को रायपुर रेफर किया गया है।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले 4 आरोपी गिरतार

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। आरोपियों द्वारा मृतक को पीटने और जान से मारने की धमकी दी गई थी। इन धमकियों से परेशान और दुखी होकर मृतक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट में आरोपियों के नाम का उल्लेख था। मामले की जांच, गवाहों और परिजनों के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों को हिरासत में लिया गया। घटनास्थल ग्राम बिटकुली में मर्ग क्रमांक 41/2025 में दिनांक 15.03.2025 को मृतक अजय ध्रुव ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटनास्थल की जांच में मृतक द्वारा एक कागज पर लिखा हुआ सुसाइड नोट मिला, जिसमें आरोपियों का नाम लिखते हुए उनके द्वारा मारपीट और लड़ाई-झगड़े का उल्लेख था। मर्ग की पूरी जांच और मृतक के परिजनों व गवाहों के बयान से पता चला कि दिनांक 15.03.2025 को रात करीब 12:00 बजे आरोपियों ने मृतक के घर आकर पहले हुए लड़ाई-झगड़े की बात को लेकर मृतक को पीटा और जान से मारने की धमकी दी।

मुख्यमंत्री के संभावित प्रवास के दृष्टिगत कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

मुंगेली(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जिले में संभावित प्रवास के दृष्टिगत कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पंडाल, बैठक व्यवस्था, बेरिकेटिंग, पार्किंग, साफ-सफाई, लाइटिंग व विद्युत, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था, मंच, टेंट, कम्प्यूटर व इंटरनेट, चिकित्सा, यातायात, फायर ब्रिगेड आदि तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय में पूरा हो जाए। कार्यक्रम के दौरान निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति, माईक सहित सभी व्यवस्थाएं सुचारू से संचालित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रवास के दौरान विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण के साथ प्रेसवार्ता करेंगे और सभी अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। इस हेतु सभी अधिकारी अपनी विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी तैयार रखें। कलेक्टर ने सम्पूर्ण कार्यक्रमों के सफल व सुव्यवस्थित आयोजन के लिए अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी को नोडल अधिकारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय को अतिरिक्त नोडल अधिकारी और मुंगेली एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह मिले नक्सली कमांडर लोकेश के परिवारजनों से

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में माओवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह (आईपीएस) ने नक्सली कमांडर लोकेश सलामे के परिवारजनों से मुलाकात किए। परिवारजनों से आग्रह किया कि लोकेश सलामे हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर शांतिपूर्वक जीवन-यापन और राज्य शासन के पुनर्वास नीति का लाभ उठाने के लिए जिला पुलिस के समक्ष आत्मसर्पण कर दे और आसपास के ग्रामीणों से भी अपील की गई कि कोई भी नक्सली कभी भी नजदीकी पुलिस स्टेशन आकर आत्मसमर्पित कर सकता है और पुनर्वास के सुविधाओं का लाभ ले सकता है।

विगत दो माह के अवधि में माड़ क्षेत्र के प्रेस टीम कमांडर पवन तुलावी एवं उसकी पत्नी ने ऑपरेशन प्रयास के तहत पुलिस अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। जिला पुलिस के द्वारा पवन तुलावी के परिवारजनों से संपर्क स्थापित कर आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिसका परिणाम है कि पवन ने माड़ से मोहला आकर आत्मसमर्पण किया। पवन तुलावी थाना मदनवाड़ा के दौरदे गांव का निवासी है और वर्ष 2014 से नक्सली संगठन में सक्रिय रहा है। माह अप्रैल 2025 में जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के थाना मदनवाडा ग्राम मुंजाल के निवासी नक्सली कमांडर रूपेश मंडावी ने आत्मसमर्पण किया है। रूपेश मंडावी नक्सली कमांडर लोकेश सलामे के साथ काम कर रहा था। जिला पुलिस के द्वारा ऑपरेशन प्रयास के तहत लगातार रूपेश के परिवारजनों से संपर्क स्थापित करके शासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज रूपेश मंडावी हथियार छोड़कर आत्मसम्मान की जिंदगी जी रहा है।

ऑपरेशन प्रयास से विकास की ओर

जिला पुलिस के द्वारा लगातार नक्सल गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस सुविधा केंद्र के रूप में केंद्रीय बलों के बेस कैंप को घने व सुदूर जंगलों में तैनात किया जा है। पुलिस कैंपों के माध्यम से आसपास के आम ग्रामीणों के स्वास्थ्य सुविधा एवं अन्य शासकीय योजनाओं का प्रचार प्रसार कर लाभान्वित कराया जा था है। आवश्यकता अनुरूप गांवों में मेडिकल कैंप व दैनिक उपयोग के सामान का वितरण किया जा था है। कृषि उपकरण, वाटर फिल्टर, सायकल, रेडियो आदि जैसे उपकरण ग्रामीणों को वितरित किया गया है। ग्राम आमाकोड़ों और पीतेमेटा के घने जंगलों में पिछले वर्ष कैंप स्थापित किया गया, जिसके माध्यम से ग्राम पीतेमेटा को सीसीरोड के माध्यम से मुख्य मार्ग में जोड़ा जाना हैं। इसी प्रकार बुकमरका जैसे सुदूरवर्ती ग्राम को कैंप संबलपुर के माध्यम से ब्लैक टॉप रोड से जोड़ा गया है। महाराष्ट्र सीमा में स्थापित नवागांव कैंप के माध्यम से कुछ ही दिनों में घोड़ाझरी गांव को भी ब्लैक टॉप रोड से कनेक्ट किया जाएगा। कैंप नवागांव, आमाकोड़ों, संबलपुर के आसपास में मोबाइल टावर की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है।

कोमाखान, युवक की हत्या, नाबालिग सहित चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुंद जिला के कोमाखान स्थित टोगोंपानी कसेकेरा के पास एक युवक की अज्ञात लाश मिली थी। इस मामले में पुलिस ने गुत्थी सुलझा ली है। खरियारोड नुआपाड़ा के फार्मासिस्ट की नृशंस हत्या मामले में एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने परशु दंडसेना (20), गणपत दंडसेना (27), सरोज दंडसेना (24) और एक अन्य नाबालिग को हिरासत में लिया है।

ज्ञात है कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने नुआपड़ा शहर के शिवशक्ति नगर निवासी फार्मासिस्ट मानस त्रिपाठी उर्फनवीन (30) का शव टोगोंपानी कसेकेरा गांव (कोमाखान थाना क्षेत्र) के एक खेत से बरामद किया था।

इस मामले में आज कोमाखान पुलिस ने महुलभाटा से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया ।

कोमाखान, मुंह में टेप लगे मृतक युवक ओडिशा नुआपाड़ा का रहने वाला था। मृतक मानस रंजन त्रिपाठी ने किया था फार्मेसी की पढाई।

पुलिस के अनुसार, कोमाखान पुलिस की एक विशेष टीम ने कल नुआपड़ा शहर में तलाशी अभियान चलाया।

सबसे पहले महुलभाटा गांव से परशु को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान परशु ने अन्य तीन आरोपियों सरोज, गणपत और एक नाबालिग के नाम बताए, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच में पता चला कि (फार्मासिस्ट की हत्या) फार्मासिस्ट मानस पहले से ही परशु और गणपत को जानता था। 8 मई 2025 की शाम परशु और गणपत ने दवा मांगने के बहाने मानस को सुखसागर रेस्टोरेंट के पास एक सुनसान स्थान पर बुलाया।

फिर चारों ने मिलकर उसके चेहरे और दोनों हाथों को प्लास्टिक टेप से बांधा और एक चार पहिया वाहन (ह्रठ्ठ 26 2700) में जबरन अपहरण कर लिया।

उसे तान्वत रोड से कोमाखान ले जाया गया और फिर लाखों रुपये की फिरौती की मांग की गई।

लेकिन मानस के बचत खाते में मात्र ?9,000 थे । फिरौती न मिलने पर चारों आरोपियों ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और शव को काशेकेरे के पास फेंक दिया।

पुलिस ने मृतक की बाइक (ह्रठ्ठ 26 2064) और दवाइयों से भरा बैग बरामद किया है। इसके अलावा, आरोपियों का चार पहिया वाहन और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। कोमाखान थाने के आईआईसी नितेश ठाकुर ने बताया कि मामले की आगे जांच जारी है।

नाम परिवर्तन

मैं निकिता आहुजा पति श्री नितिन जैस्वानी, उम्र 33 वर्ष, निवासी मकान नं. 25, रायपुर नाका, सिंधि कालोनी दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) की रहने वाली हूं, मेरी पुत्री जिया जैस्वानी पिता श्री नितिन जैस्वानी, माता निकिता आहुजा, की जन्म तिथि 28/02/2017 है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र उप-रजिस्ट्रार, जन्म मृत्यु एवं वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.) से जारी हुआ है जिसका पंजीयन क्रमांक बी-2017:22-90311-000724, पंजीकरण दिनांक 01/05/2017, जारी करने की तिथि 01/05/2017 है। मेरी पुत्री के नाम से जन्म प्रमाण पत्र जारी हुआ है जिसमें मेरा (माता) का नाम त्रुटिवश दानिया जैस्वानी, दर्ज है जो कि गलत है। मेरे नाम से आधार कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट, जारी हुआ है जिसमें मेरा सही एवं वास्तविक नाम निकिता आहुजा है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के आगे सभी शासकीय / अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा (माता) का सही एवं वास्तविक नाम निकिता आहुजा, दर्ज किया जावे। शासकीय गजट प्रकाशन पर मेरा (माता) का सही एवं वास्तविक नाम निकिता आहुजा, दर्ज करवाना चाहती हूं। जिसके समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं नितिन जैस्वानी पिता स्व. शीतल दास जैस्वानी, उम्र 37 वर्ष, निवासी- मकान नं.- 25, रायपुर नाका, सिंधि कालोनी दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.), मेरी पुत्री शिवन्या जैस्वानी पिता श्री नितिन जैस्वानी, माता निकिता आहुजा, की जन्म तिथि 13/03/2021 है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र उप-रजिस्ट्रार, जन्म मृत्यु एवं वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई नगर, जिला दुर्ग (छ.ग.) से जारी हुआ है जिसका पंजीयन क्रमांक बी- 2021:22-90311-000328, पंजीकरण दिनांक 06/06/2021, जारी करने की तिथि 06/06/2021 है। मेरी पुत्री के नाम से जन्म प्रमाण पत्र जारी हुआ है जिसमें मेरा (पिता) का नाम त्रुटिवश नितिन कुमार जैस्वानी एवं माता का नाम त्रुटिवश निकिता जैस्वानी, दर्ज है जो कि गलत है। मेरे नाम से आधार कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, मतदाता परिचय पत्र, पासपोर्ट, जारी हुआ है मेरा (पिता) का सही एवं वास्तविक नाम श्री नितिन जैस्वानी, दर्ज एवं मेरी पत्नि के नाम से आधार कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट, जारी हुआ है जिसमें उनका सही एवं वास्तविक नाम निकिता आहुजा, है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के आगे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा (पिता) का सही एवं वास्तविक नाम श्री नितिन जैस्वानी, एवं माता का सही एवं वास्तविक नाम निकिता आहुजा, दर्ज किया जावें। शासकीय गजट प्रकाशन पर मेरा (पिता) का सही एवं वास्तविक नाम श्री नितिन जैस्वानी, एवं माता का सही एवं वास्तविक नाम निकिता आहुजा, दर्ज करवाना चाहता हूं। जिसके समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

खबर-खास

माधोपाली के गजानंद नायक बने अब डॉ. गजानंद नायक, मिला पीएचडी अवार्ड

सरायपाली (समय दर्शन)। डॉ भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय बलौदा जिला महासमुंद में सहायक प्राध्यापक के रूप में पदस्थ ग्राम माधोपाली निवासी स्व. चुनचुन गौटिया-स्व. पीली बाई के सुपौत्र और तिलकराम- सिरमोती नायक के पुत्र गजानंद नायक ने डॉ प्रतिभा मुखर्जी साहूकार प्राचार्य दुर्गा महाविद्यालय रायपुर के निर्देशन में अंग्रेजी विषय पर *नगंबिका :फीमेल पोर्ट्रेचर इन द सेलेक्ट नोवेल्स ऑफफ्लोरा नवापा* टॉपिक पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से पी एच डी अवार्ड प्राप्त किया है। मौखिक प्रश्नोत्तरी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रोफेसर आर पी सिंह आए तथा नायक जी के प्रस्तुतीकरण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए थीसिस की सराहना की। नायक ने अपने थीसिस में फ्लोरा नवापा के चयनित उपन्यासों में नारी चित्रण का अध्ययन 'नगंबिका' नामक शोध प्रबंध में किया गया है। इसमें नारी की स्थिति, संघर्ष और सशक्तिकरण की कहानियों का विश्लेषण किया गया है। यह शोध प्रबंध अफ्रीकी साहित्य में नारी की भूमिका को समझने में महत्वपूर्ण योगदान करता है। नायक जी इस सफलता में उनके पिता तिलकराम नायक माता सिरमोती पत्नी लक्ष्मी पुत्र द्वय सहर्ष एवं स्पर्श में विशेष योगदान रहा ।उनके इस सफलता से बलौदा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर के के तिवारी साथी सहायक प्राध्यापक गण अनिता पटेल,कमला दीवान,किरण कुमारी,जितेंद्र पटेल,रमेश पटेल, एंजेला लकड़ा, रश्मि ,माधुरी प्रधान,ऋतुराज भोई,उनके मित्र मंडली,नायक परिवार माधोपाली, जमुना गोत्रीय तथा अघरिया समाज में खुशी व्याप्त है तथा सभी ने शुभकामनाएं प्रेषित किए।

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। ग्राम पंचायत गिरहोला में पीएम आवास हितग्राहियों को कराया गृह प्रवेश

अहिवारा (समय दर्शन)। अहिवारा विधानसभा के अन्तर्गत आदर्श ग्राम पंचायत गिरहोला में जिनका आवास पूर्ण हो गया है जिसमें 14 हितग्राही अम्बेश्वर बोदुल, राउत, चेतन कुमार टंडन, फिरंता,गुजरात बंजारे, खन्ना कुमार बंजारे, कन्हैया कुमार बंजारे, मोतीलाल यादव, निर्मल कुमार बंजारे, रेशमबाई बंजारे, रितेश बंजारे, संतोष कश्यप, सुनीता यादव एवं टोपुराम बंजारे इन सभी लोगों को छत्तीसगढ शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिनका आवास पूर्ण हो गया है उनका गृह प्रवेश का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर नवनिर्वाचित सरपंच घनश्याम बंजारे पंच उमेश बंजारे ,डुरसिंह बंजारे,भवन कोघरे, भीखमखुटे,सचिव सत्य विजय देशलहरे, रोजगार सहायक रमेश कुमार राऊत उपस्थिति में पूजा अर्चना कर हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया।

चारामा वन परिक्षेत्र के ग्राम टंहाकापार में तेंदुए का आतंक, ग्रामीण घायल

कांकेर (समय दर्शन)। चारामा वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले टंहाकापार गांव में मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक तेंदुआ अचानक गांव में घुस आया। यह खूंखार तेंदुआ गांव के निवासी प्रदुम्न निषाद पर झपट पड़ा और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, तेंदुआ गांव के बाहरी हिस्से से होते हुए रिहायशी इलाके में आ गया और खेत की ओर जा रहे प्रदुम्न निषाद पर अचानक हमला कर दिया।

कक्षा 10वीं और 12वीं का जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में रहा शत-प्रतिशत परिणाम

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। सीबीएसई द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ ने कक्षा 10वीं, 12वीं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देकर सफलता का परचम लहराया।

इस वर्ष कक्षा 12वीं विज्ञान में 43 बच्चों ने परीक्षा में भाग लिया और इसमें से सभी बच्चों ने अच्छे अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में पास हुए। कक्षा 12वीं विज्ञान में अनुषा गजभिए ने 90.4 प्रतिशत लेकर प्रथम स्थान, स्टाप वार्ड सृजन चंद्रा ने 89.6 प्रतिशत लेकर द्वितीय स्थान एवं दुर्गा जंघेल ने 89.4 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी तरह कक्षा 12वीं कॉमर्स का परीक्षा परिणाम भी बहुत अच्छा रहा। कॉमर्स के बच्चों ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देकर सबको चौंका दिया। इस वर्ष कॉमर्स का परीक्षा परिणाम साइंस से भी आगे रहा। कक्षा 12वीं कॉमर्स में 34 बच्चों ने परीक्षा में भाग लिया और इसमें से सभी बच्चे प्रथम श्रेणी के साथ पास हुए। वाणिज्य में मेघा चंद्रवंशी ने 96 प्रतिशत लेकर प्रथम स्थान, वैशाली ने 93 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान और वैष्णवी धुर्वे ने 91 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उप प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि इस वर्ष कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम भी उत्कृष्ट रहा। कक्षा दसवीं में 45 बच्चों ने परीक्षा में भाग लिया और इसमें 95 प्रतिशत से भी अधिक बच्चों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान तोडेलाल सदेश्वर 91.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान दिव्याकांत निषाद 91.4 प्रतिशत, तृतीय स्थान संयुक्त रूप से 91 प्रतिशत के साथ मानसी ठाकुर और घनेंद्र चंद्रवंशी ने प्राप्त किया।

विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम से विद्यालय परिवार में हर्ष व्याप्त है। विद्यालय के उप प्राचार्य संजय कुमार मंडल को जैसे ही परीक्षा परिणाम का पता चला, उन्होंने विद्यालय में उपस्थित स्टॉप वार्ड कक्षा 12वीं के छात्र सृजन चंद्रा, जिन्होंने कक्षा 12वीं में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, आस्था पॉल 81 प्रतिशत और कनिष्का उइके 87 प्रतिशत को विद्यालय में आमंत्रित कर पुष्प-गुच्छ देकर उन्हें सम्मानित किया एवं उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप प्राचार्य के साथ-साथ विद्यालय में उपस्थित स्टाफ सदस्यों में सतीश कुमार प्रधान, आरके चंद्रा, एसबी महाराणा, श्रीमती इति मरावी, श्री सूर्यवंशी, श्रीमती सीमा साहू (यूडीसी) एवं अनिल कुमार ॅल ने भी इन बच्चों को सम्मानित किया और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं। सीबीएसई का परीक्षा परिणाम बच्चों के लिए जितना उत्साह वर्धक रहता है उतना ही यहां के शिक्षकों के लिए भी अपने-अपने विषय के औसत को देखने में रहता है। उप प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने बताया कि इस वर्ष यहां का विषय औसत भी बहुत ही अच्छा रहा। इनमें कक्षा 12वीं में हिंदी पढ़ाने वाले राम कुमार चंद्रा का सब्जेक्ट एवरेज सर्वाधिक 91.2 प्रतिशत रहा। वहीं एसबी महाराणा (कम्प्यूटर साइंस) का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत, गणित विषय में एके बिसेन का विषय औसत 77.5 प्रतिशत, बायोलॉजी में श्रीमती इति मरावी का विषय औसत 85.7 प्रतिशत रहा। फिजिक्स में दादू राम चंद्रा का 71 प्रतिशत, केमिस्ट्री में एसके प्रधान का 78.8 प्रतिशत, योगा में अनिल कुमार पाल का 73.9 प्रतिशत रहा।

इसी प्रकार से कॉमर्स में श्रीमती जानकी मैडम का इकोनॉमिक्स में 82 प्रतिशत, श्री दीवान का बिजनेस स्टडी में 77.4 प्रतिशत और अकाउंटेंसी में 73 प्रतिशत रहा। अंग्रेजी में थॉमस कुमार बरला का सब्जेक्ट एवरेज 75.4 प्रतिशत रहा।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने में कक्षा दसवीं में पढ़ाने वाले शिक्षकों ने भी कोई कमी नहीं की। कक्षा दसवीं में श्रीमती कल्पना पॉल ने अंग्रेजी विषय में 74.1 प्रतिशत, हिंदी में श्रीमती सरिता सिन्हा मैडम ने 86.2 प्रतिशत, स्टैंडर्ड मैथ्स में स्नेह अग्रवाल ने 76.6 प्रतिशत, बेसिक मैथ्स में राजेश सावरकर ने 62 प्रतिशत, साइंस में दादूराम चंद्रा, श्रीमती इति मरावी और एसके प्रधान ने 73.7 प्रतिशत, सोशल साइंस में ओपी चौरसिया ने 85.4 प्रतिशत, आईटी में श्रीमती शिखा मैडम में 75 प्रतिशत, बैंकिंग में श्रीमती राठौर ने 82 प्रतिशत देकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस तरह से विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष बहुत ही सराहनीय रहा। इसका श्रेय विद्यालय के प्राचार्य रूपेंद्र सिंह एवं उप प्राचार्य संजय कुमार मंडल का निरंतर कुशल मार्गदर्शन, सभी स्टाफ सदस्यों का अथक प्रयास एवं बच्चों के मेहनत को जाता है। जिन्होंने विद्यालय के समस्त गतिविधियों को कुशलता पूर्वक संचालित करते करते हुए शैक्षणिक परिणाम भी उत्कृष्ट दिया।

जिले के ज़रूरतमंदों के घरों मे बिखरी खुशियों की रंगोली

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत महासमुंद जिले में 3752 परिवारों ने किया गृह प्रवेश

महासमुन्द(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जो कि भारत सरकार की एक प्रमुख जनकल्याणकारी योजना है जिसका उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब, बेघर और कच्चे मकानों में रह रहे परिवारों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक पक्के मकान उपलब्ध कराना है। मोर आवास मोर घर के अंतर्गत 13 मई को सरगुजा (अंबिकापुर) में एक भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय आवास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के 51,000 परिवारों अपने नवनिर्मित आवासों में प्रतीकात्मक गृह प्रवेश कराया।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें महासमुंद जिले ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित आवासों में 3752 लाभार्थियों ने विधिवत गृह प्रवेश किया। जिसमें महासमुंद जनपद पंचायत के 713 हितग्राही,बागबाहरा जनपद पंचायत के 964 हितग्राही,पिथौरा जनपद पंचायत के 884 हितग्राही,सरायपाली जनपद पंचायत के 757 हितग्राही,और बसना जनपद पंचायत के 434 हितग्राही ने गृह प्रवेश किया। गांव में इस शुभ अवसर को उत्सव के रूप में मनाया गया। घरों को सजाया गया, रंगोली बनाई गई और पारंपरिक स्वागत तोरण सजाए गए। हवन-पूजन के माध्यम से यह दिन ग्रामवासियों के लिए यादगार बन गया। इसके अलावा 13 मई को जनपद पंचायतों में समाधान शिविर के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा पात्र हितग्राहियों को प्रधान मंत्री आवास पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । 3752 परिवारों के चेहरों पर मुस्कान और नए पक्के घरों में प्रवेश का गौरव इस बात का प्रमाण है कि योजनाएं जब जमीनी स्तर पर सही तरीके से लागू होती हैं, तो उसका प्रभाव सीधा जनता के जीवन में दिखाई देता है।

खदान पारा नेवई पहुंची महापौर, पेयजल संकट पर बुलवाया टैंकर

रिसाली (समय दर्शन)। लोगों की समस्याओं से रूबरू होने महापौर शशि सिन्हा वार्डो तक पहुंच रही है। खदान पारा नेवई में पेयजल संकट होने पर टैंकर के माध्यम से पानी आपूर्ति करने निर्देश मौके पर ही दी। इस दौरान महापौर ने सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया।

महापौर शशि सिन्हा श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र वार्ड 34 का भ्रमण की। इस दौरान नागरिकों ने लो प्रेसर की वजह से अंतिम छोर तक पानी के नहीं पहुंचने की शिकायत की। साथ ही नागरिकों का कहना था पेयजल टैंकर के माध्यम से उपलब्ध कराया जाए। महापौर शशि ने पूर्व निर्धारित टैंकर प्वाइंट की न केवल जानकारी ली, बल्कि समय पर टैंकर उपलब्ध कराने निर्देश दिए। इस दौरान महापौर ने सफाई संबंधी जानकारी नागरिकों से ली। भ्रमण कार्यक्रम में एमआईसी अनिल देशमुख, जहीर अब्बास, पार्षद राहुल राय, जल विभाग प्रभारी गोपाल सिन्हा, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी बृजेन्द्र परिहार समेत बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। महापौर शशि सिन्हा ने नागरिकों से अपील की है कि पानी को व्यर्थ न बहाए साथ ही खुले नल पर टोटी अवश्य लगाए। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि जिस घर के नल में टोटी नहीं लगाया जाएगा या पानी व्यर्थ खुले स्थान में बहते पाए जाने पर कार्यवाही प्रावधान के अनुरूप की जाएगी।

प्यासा हिरन गांव में पहुंचा : हिरण के शिकार की आशंका

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा परिक्षेत्र मे भ्रष्टाचार, अनियमितता,लापरवाही जैसे कारणों से हमेशा सुर्खियों मे रहा है।

पिथौरा वन क्षेत्र अंतर्गत एक प्यासा हिरन को कुत्तों ने घायल कर दिया। घायल हिरण को कुछ लोगों ने अपना शिकार बनाने की भी आशंका है । इस मामले में वन विभाग अधिकारियों को जानकारी नहीं है। जबकी प्यासा हिरण को कुछ लोगों ने अपना शिकार बनाकर उसके मांस को खाने की बात तथा इस पूरे घटना में वन विभाग के ही कर्मचारियों की संलिप्तता की गांव में लोग दबी जुबान में खूब चर्चा है ।

मिली जानकारी अनुसार कुछ दिन पहले एक हिरण पानी की तलाश में भटकते हुए पिथौरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम बगारपाली के बस्ती में शाम को पहुंचा गया । कुत्तों ने उस हिरण का पीछा किया, हिरण अपनी जान बचाते हुए भागने लगा । भागते - भागते फसल लगे एक खेत में जा घुसा, दुसरे दिन सुबह ग्रामीणों ने एक खेत में मृत हिरण के बचे हुए अवशेष देखे । जिसमें से सिंग गायब था ।

अनेक ग्रामीणों के द्वारा मोबाईल में इसकी तस्वीर एवं विडियो ली गई है। इस मामले में ग्रामीण खुलकर बात करना नहीं चाहते पर डरे सहमे नाम की उजागर न करने की शर्त पर बताते हैं कि, कुछ लोगों ने रात को प्यासा हिरण को मार कर उसके मांस को और सिंग को अपने-अपने घर ले गये, बचाखुंचा हड्डी को वहीं खेत में छोड दिये ।

जिसे कुत्ते नोंच-नोंच कर खा गये । ग्रामीणों ने कुछ पत्रकारों को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही पत्रकारों की टीम घटना स्थल में पहुंचे ।

मामला जैसे ही गरमाने लगा वैसे ही जो लोग हिरण की सिंग को काटकर अपने-अपने घर ले गये थे ,उस कटा हुआ सिंग को घटना स्थल में लाकर फिर से रख दिये । इस पूरे घटना क्रम में वहां पर पदस्थ वन विभाग के एक सुरक्षाकर्मी की संलिप्तता बताई जा रही है।

सुत्रों से मिली जानकारी अनुसार मामले की खुलासा न करने की शर्त पर उक्त सुरक्षाकर्मी पर अनेक आरोप लग रहे हैं।

उक्त मामले मे मीडिया को पिथौरा के वन परिक्षेत्र अधिकारी सालिकराम डडसेना ने बताया कि, इस मामले की उन्हे जानकारी नहीं है। कुछ दिन पूर्व इसी तरह पिथौरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम बुंदेली में भी एक शिकारी के द्वारा हिरण का शिकार किया गया था । मीडिया द्वारा उक्त मामले की खुलासा करने के बाद पिथौरा वन विभाग के द्वारा एक शिकारी के खिलाफ कार्यवाही की गई।

ग्राम पंचायत सेलुद के सरपंच खिलेश बबलु मारंकडे की अपील पर, रबी फसल के पैरे को किसान गौठान में निशुल्क दान कर रहे

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत सेलुद के युवा सरपंच खिलेश मारकंडे ने किसानों से गर्मी फसल के अपने पैरा को गौठानो में दान करने की अपील किया ।जिससे पशुओं को उपयुक्त चारा मिले व पराली जलाना न पड़े और पर्यावरण प्रदुषण से भी बचा जा सके । । किसान के खेतों में फसलों के कटाई के बाद जो पैरा होता है उसे अधिकतर किसान खेत में ही जला दे ते थे ,जिससे वायुमंडल तो गंदा होता है और आग लगने का खतरा मंडराता है, लेकिन ग्राम सेलुद के किसान गुलमणी कुर्रे ने सरपंच के अपील पर अपना पैरा गौठान में दान कर दिया है।इसी तरह सभी किसान अपना पैरों को गौठान या गौशाला में दान कर देंवे ।ताकि खरीफफसल लेने के समय गौठान में घुमन्तु पशुओं को आसानी से चारा मिल जाएगा और गौठान संचालन में किसानों को ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पडेगा ।,ग्रामीणों के पैरादान करने से ग्रामीणों को गौठान के संचालन व खेती को बचाने की मुहिम को गति मिलेगी । किसान आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल करने से खेतों से खलिहान मे अपना पैरा संसाधन की कमी के कारण नहीं ला पाते और खेत में जला देते है ।हारवेस्टर और थ्रेशर से मिंजाई कार्य करने से खेत में ही पैरा छुट जाता है किसान उस पैरे को आग लगा देते थे ।लेकिन उससे उठने वाले धुएं के कारण वातावरण प्रदुषित होना शुरु हो गया था इसी बात को ध्यान रखकर किसानों ने अपने पैरे का सही उपयोग करना शुरु कर दिया है। साथ ही ग्राम पंचायत सेलुद सरपंच द्वारा जन जागरुक करके ग्रामीण किसानों को पैरे को न जलाते हुए इसे गौठान में दान करने की अपील कर रहे है।और पंचायत खर्च की राशि से किसानों के पैरा को गौठान तक लाने का कार्य कर रहे है ताकि बरसात के समय गौठान में रहने वाले घुमन्तु पशुओं को पर्याप्त चारा पानी मिल सके।

नगर पंचायत पाटन में सम्पन्न हुआ सुशासन तिहार समाधान शिविर

नागरिकों के समस्या का हुआ त्वरित समाधान

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन में सुशासन तिहार 2025 संवाद से समाधान के तहत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन में नगर पंचायत पाटन, अखरा, अटारी और खोरपा के नागरिक पहुंचकर अपने समस्या को रखा और जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने मिलाकर समस्या का त्वरित समाधान किया। नगर पंचायत के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में निवर्तमान जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र वर्मा ने शिविर का निरिक्षण कर शिविर में पहुंचे नागरिकों एवं अधिकारियों से चर्चा कर जानकारी लिया। जितेंन्द्र वर्मा निवर्तमान जिलाध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में पुरे प्रदेश में सुशासन तिहार 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जनता की समस्याओं को सभी विभागीय अधिकारी विभागवार सुनकर त्वरित निराकरण कर रहे हैं। शिविरों में हितग्राहियों व लाभार्थियों को आवश्यक उपकरण भी प्रदान की जा रही हैं। डबल इंजन भाजपा सरकार के कार्य प्रणाली से जनता उत्साहित हैं।योगेश निक्की भाले नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि नगर पंचायत पाटन की ओर से आज समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में अधिकारियों के साथ मिलकर हमने सभी के समस्या का त्वरित समाधान किया हैं। जनता की समस्या का समाधान करना हमारी पहली प्राथमिकता हैं। जनता की सेवा करने के लिए मैं दिन रात समर्पित हूँ। केंद्र एवं राज्य सरकार के योजनाओं की जानकारी व हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का कार्य भी हमारे द्वारा किया जा रहा हैं। इस अवसर पर सभापति केवल देवांगन,देवेन्द्र ठाकुर,जितेन्द्र निर्मलकर,पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन, पार्षद संगीता धुरंधर, पार्षद अन्नपूर्णा पटेल ,केशव बंछोर,दामोदर चक्रधारी,योगेश सोनी, वेदप्रकाश वर्मा,विक्की बंछोर, भाजपा पदाधिकारी, पार्षदगण जनप्रतिनिधिगण,मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत वर्मा,अधिकारी-कर्मचारी, कार्यकर्ता साथी सहित गणमान्यजन प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महाप्रबंधक ने मंडल की समीक्षा बैठक ली

रायपुर(समय दर्शन)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई । बैठक में मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर दयानंद सहित प्रधान विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं रायपुर रेल मंडल में परियोजनाओं से जुड़े अधिकारी उपस्थि बैठक में रेलवे की प्रगति, यात्री सुविधाओं, मालभाड़ा परिवहन, सुरक्षा उपायों, बुनियादी ढांचे के विकास एवं आगामी परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई । महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए और यात्री सुविधाओं में लगातार सुधार सुनिश्चित किया जाए । स्टेशनों पर स्वच्छता, सुरक्षा, डिजिटल टिकटिंग, प्लेटफॉर्म सुधार, एवं विद्युतीकरण कार्यों पर विशेष ध्यान देने को कहा । उन्होंने कहा कि रेलवे केवल एक परिवहन माध्यम नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके हर पहलू में गुणवत्ता व पारदर्शिता होनी चाहिए । इस अवसर पर महाप्रबंधक ने हाल ही में शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं, विद्युतीकरण, स्टेशन पुनर्विकास की स्थिति की विवेचना कर कार्य की गति को बढ़ाने की हिदायत दी, साथ ही जिन परियोजनाओं में विलंब हो रहा है, उनके शीघ्र निष्पादन के निर्देश भी दिए । बैठक में सुरक्षित रेल परिचालन, गाड़ियों की समयबद्धता, रायपुर रेल मंडल में चल रहे विकासात्मक कार्यों, यात्री सुविधाओं के लिए किए जा रहे कार्यों पर अधिकारियों से चर्चा की।

सीबीसी 19110/11/0013/2526

संक्षिप्त-खबर

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण प्लेट के लिए शिविर का आयोजन

महासमुन्द(समय दर्शन)। केंद्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 और केंद्रीय मोटरयान नियम 1989 के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में 01 अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत प्रत्येक वाहन पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाना अनिवार्य किया गया है। इसी क्रम में जिला परिवहन अधिकारी महासमुन्द द्वारा लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 09 मई और 10 मई 2025 को जिला न्यायालय परिसर महासमुन्द में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 156 ऑनलाईन आवेदन प्राप्त हुए।13 मई से 15 मई 2025 तक कलेक्टर परिसर महासमुन्द में शिविर का आयोजन जारी रहेगा, जहां सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक इच्छुक वाहन मालिक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। 13 और 14 मई को 223 आवेदकों ने अपने वाहनों के लिए हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट हेतु आवेदन किया।

अगले शिविर का आयोजन जनपद पंचायत कार्यालय बागबाहरा में 20 मई 2025 और 21 मई 2025 को किया जाएगा। वाहन मालिकों को नियत समय पर पहुंचकर अपने वाहन की हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के लिए आवेदन करने की अपील की गई है।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। नशे के विरुद्ध नया सवेरा अभियान अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा समस्त थाना प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत नशे के विरुद्ध विशेष अभियान चला कर अवैध रूप से शराब बिक्री एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई निर्देश दिए थे।जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत मुखबिर सक्रिय किया गया है।इसी के तहत बुधवार को सिटी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोसमबुड़ा में 15 लीटर अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिला कि मुख्यालय से दस किलोमीटर दूर ग्राम कोसमबुड़ा में एक व्यक्ति के पास अवैध शराब रखा गया है।इस जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस टीम द्वारा मौके पर छापा मारा गया जहा आरोपी भिनेश् कुमार ध्रुव उम्र 26 वर्ष से 15 लीटर महुआ शराब एवं परिवहन मे प्रयुक्त एक जुपिटर स्कुटी क्र सीजी 23 एल 5547 को जप्त कर आरोपी को रिमांड हेतु न्यायालय भेजा गया।

सिवनीकी ज्योति साहू ने12 वी जी परीक्षा में 92 फीसदी अंक लाकर बढ़ाया गांव का मान

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट इंग्लिश मिडियम शाला बम्होनीड़ीह की छात्रा ज्योति साहू सिवनी ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 92.40 प्रतिशत अंक के साथ जांजगीर चंपा जिले मे सातवा स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता का, बल्कि पूरे समाज, शाला व ग्राम सिवनी का नाम रोशन किया है। ज्योति साहू मूल रूप से एक गांव से ताल्लुक रखती हैं और प्रतिदिन गांव से बम्होनीड़ीह स्कूल आने-जाने की कठिन यात्रा के बावजूद उन्होंने यह बड़ी सफलता प्राप्त की। ज्योति साहू ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने दादा, पिता व चाचा की मेहनत को देखते हुए ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है और उसी लक्ष्य को लेकर निरंतर पढ़ाई की। ज्योति साहू की दादा, पिता व चाचा सभी व्यवसाय से जुड़े हुए हैं कम संसाधनों के बाद भी ज्योति साहू ने अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास से अपने सपनों को साकार किया। ज्योति साहू की इस सफलता से न केवल उनके परिवार में खुशी की लहर है, बल्कि पूरा गांव क्षेत्र और समाज भी गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महापौर ने सामने खड़े होकर कराई: इंदिरा मार्केट क्षेत्र की नाली सफाई

इंदिरा मार्केट वार्ड 30 में चला महासफाई अभियान

समझाईश को समझे कजाधारी,नोटिस के बाद भी नही हटा तो निगम करेगी कार्रवाही:महापौर

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम द्वारा चलाये जा रहे महासफाई अभियान के तहत आज वार्ड क्रमांक 30 इंदिरा मार्केट क्षेत्र वार्ड में चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत आज स्वयं महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र की नाली की सफाई कराई।

ईस नाली की विगत महीनों से सफाई नहीं कराई गई। महापौर श्रीमती बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा एवं अपनी एमआईसी टीम व पार्षदों के साथ पूरे वार्ड 30 क्षेत्र का भ्रमण कर वार्ड की नाले नालियों की तह्ले से सफाई कराने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

वार्ड में महापौर ने सभापति एवं वार्ड पार्षद श्याम शर्मा के संग जलाराम दुकान स्टेशन रोड के आस पास नाली स्लैप को हटावाकर सफाई करवाया गया।इसके बाद महापौर ने मोती पारा,मान होटल से शारदा टाकीज गली क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए महा सफाई करवाया। उन्होंने सभापति के साथ प्रेस कम्प्लेक्स के गरीब मटका वालो को व्यवस्थित ढंग से पीछे रिक्त जगहों पर लगवाने की बात कही।उन्होंने कहा कि समझाइस को समझे कब्जाधारी,नोटिस के बाद भी नही हटा तो निगम करेगी कार्वाही।

महापौर ने नाली सफाई कार्य में बाधित स्लेब के 24 घंटे के भीतर हटाने के निर्देश देते हुए उनके साथ सभापति व वार्ड पार्षद श्याम शर्मा,देवनारायण चन्द्राकर, प्रभारीगण नीलेश अग्रवाल, नरेन्द्र बंजारे,शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, हर्षिका संभव जैन,पार्षद संजय अग्रवाल,गोविंद्र देवांगन, मनोज सोनी भी थे।

ईश्वर को जानकर ही कोई जीव माया से पार होता है-कथा वाचिका श्रीश्वरी देवी

बसना(समय दर्शन)। बसना के हृदय स्थल श्री रामजानकी मंदिर परिसर के पास कृषि उपज मण्डी प्रांगण में इन दिनो दिव्य दार्शनिक प्रवचन के चौथे दिवस पर कथा प्रसंग मे गोता लगाने बसना क्षेत्र के सैकड़ों माताएं बहने एवं श्रृद्धालु भक्त वृन्द एवं नन्हें बाल गोपाल पहुँचे।

कथा व्यास से सुश्री श्रीश्वरी देवी ने बताया कि ईश्वर को जानकर ही कोई जीव माया से पार हो सकता है। पंचम मूल जगद्गुरु भक्तियोग रसावतार 1008 स्वामी श्री कृपालु जी महाराज की कृपा पात्र प्रचारिका प्रेम मंदिर वृंदावन से पधारीं सुश्री श्रीश्वरी देवी जी का दिव्य दार्शनिक प्रवचन के चौथे दिवस मे श्वेताश्वतरोपनिषद् के मंत्र त्वमेव विदित्वा अतिमृत्युमेति नान्य: पन्था विद्यतेऽयनाय की व्याख्या को क्रम में बताया कि, ईश्वर को जानकर ही कोई जीव माया से पार हो सकता है, इसका अन्य कोई मार्ग नहीं है।

किंतु हम ईश्वर को कैसे जाने?

इसके उत्तर में दीदीजी ने वेदोंङ्कशास्त्रों से ढेरों प्रमाण देते हुए यह बताया कि ईश्वर को कोई जान ही नहीं सकता, क्योंकि ईश्वर इंद्रिय, मन एवं बुद्धि से परे है । हमारी इंद्रिय, मन एवं बुद्धि प्राकृत है, एवं भगवान दिव्य है अत: प्राकृत इंद्रिय, मन एवं बुद्धि दिव्य भगवान को भला कैसे ग्रहण कर सकती है। साथ ही साथ भगवान इंद्रिय, मन एवं बुद्धि के प्रेरक है, प्रकाशक है, धारक है, ज्ञाता है, एवं सर्वज्ञ है और हम जीव अल्पज्ञ है, इसलिए भगवान को नहीं जाना जा सकता। पुन: वेदङ्कशास्त्रों से प्रमाण देते हुए उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि भगवान को एक गधा भी जान सकता है लेकिन कैसे? जिस पर कृपा हो जाये वही भाग्यशाली जीव उस भगवान को जान सकता है। केवल साधन के बल पर हम भगवान को नहीं जान सकते, भगवत्कृपा आवश्यक है लेकिन यह कृपा (भगवत्कृपा) जिसके द्वारा हम भगवान को जान सकते हैं, वह कृपा कैसे प्राप्त होगी? इसका उत्तर पाँचवे दिवस के प्रवचन में दिया जायेगा।

महिला सरपंच,व्यायाम शिक्षक पति और अन्य दो के विरुद्ध मामला दर्ज

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय से लगा ग्राम पंचायत आमदी म में महिला सरपंच के पति की दबंगई,मनमानी व पंचायत कार्यो में हस्तक्षेप का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है।जिसकी शिकायत सिटी कोतवाली में भी किया गया है।विवादों के बढ़ते घटनाक्रम में मंगलवार आमदी म की महिला सरपंच श्रीमती रेखा ठाकुर उनके पति जयंत ठाकुर अन्य दो दिव्यांश पटेल तथा लूणकरण के खिलाफ बीएनएसएस की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराया गया है।

रिपोर्टकर्ता नेहरू साहू के अनुसार 10 मई की रात जयंत ठाकुर दिव्यांश पटेल रेखा ठाकुर और लूणकरण ठाकुर,शिक्षक नगर आमदी में मेरे घर के सामने आकर मेरे बड़े भाई जीवन एस साहू का नाम लेकर अश्लील गंदी गाली गलौज करते हुए रहे सरपंच पति के कृत्यों को अखबार में समाचार छापने से नाराज होकर घर घुसते हुए धमकी दे रहे थे।

ज्ञात हो कि पिछले दिनों आमदी म के वार्ड नं 9 में सरकारी पैसे से बनाया गया कूड़ादान को मोहल्लेवासियों की जानकारी के बिना तुडवा दिया गया,जिससे कचरा निस्तारण में आ रही परेशानी को लेकर जीवन एस साहू द्वारा समाचार लिखा गया। पेपर में समाचार छपने से नाराज होकर रात में पत्रकार को धमकी दी गई। पत्रकार जीवन उस रात किसी विवाह कार्यक्रम में गये थे,गाली गलौज सुनकर उसके भाई नेहरू साहू उसका पुत्र और पुत्रवधु घर के बाहर आये और उनको समझाने की कोशिश की।घर में लगे सीसीटीवी कैमरे के वीडियो फुटेज सहित इस घटना की जानकारी थाने में दी गई है।

पहले भी दर्ज है मामला,,,,,,आमदी म की महिला सरपंच रेखा ठाकुर के पति शासकीय शिक्षक है लेकिन पंचायत कार्यों में दखल देते रहते हैं। मार्च महीने में तिवारी परिवार द्वारा वर्षों पूर्व बनाये गए पूर्वजों के मठ को भी तुडवा दिया था , जिसमे सरपंच पति के ऊपर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। दिव्यांश पटेल और लूणकरण पर भी प्रतिबंधात्मक धाराओं में मामला दर्ज है।

सुशासन तिहार शिविर में भी शिकायत,,,,,,ज्ञात हो कि पत्रकार जीवन एस साहू के भाई नेहरू की रिपोर्ट पर चारों आरोपियों पर धारा 296, 351 (2), 3(5) लगाई गई है।आमदी म गांव के बहुत से लोगो ने सढौली में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में शासकीय शिक्षक सरपंच पति और उनके संबंधित कुछ लोगों द्वारा गांव में शांति भंग कर अराजकता फैलाने को लेकर शिकायत की है।

रसेला के समाधान शिविर में हितग्राहियों के समस्या का निदान होने से जताई खुशी

मिला समाधान शिविर में विभिन्न हितग्राहियों को ट्राई सायकल,किसान क्रेडिट कार्ड और जॉब कार्ड,श्रवण यंत्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत दिए गए योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवेदनों का तीसरे चरण के समाधान शिविर में आवेदनों का त्वरित मिल रहे लाभ से लाभार्थियों में खुशी का माहौल है।समाधान शिविर में सहकारी समिति द्वारा 2 किसानों को धान बीज, 7 किसानों को नये किसान क्रेडिट कार्ड, 5 हितग्राहियों को जॉब कार्ड,समाज कल्याण विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को मोटराईज्ड ट्रायसाइकल,3 दिव्यांग को श्रवण यंत्र एवं 2 हितग्राहियों को स्टीक का वितरण किया गया। इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व 5 बच्चों का अन्नप्रासन्न किया गया।

शिविर में कलेक्टर बी.एस.उइके,जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर,जनपद उपाध्यक्ष कुलेश्वर सोनवानी,जिला पंचायत सदस्य लेखराम धुरवा,जनपद सदस्य सुखराम ठाकुर,सरपंच रूपा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को शॉल,श्रीफल एवं प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इनमें जंगली चीता से अपने नाती को मौत के मुंह से बचाने के लिए अदम्य साहस का सामना करने पर कोठीगांव के दर्शनलाल, कला के क्षेत्र में रसेला के आसीफ हुसैन, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कनसिंघी के कक्षा 10वीं की छात्रा कुमारी सीमा कवंर,रूवाड़ के राष्ट्रीय स्तर के कब्बडी खिलाड़ी राकेश नागेश,राजपुर की पंडवानी कलाकार खेमीन निषाद, कुड़ेरादादर की स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में अग्रणी भूमिका निभाने वाले मितानिन बिराजो बाई,मुढ़ीपानी के छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार ओंकार ठाकुर सहित अन्य शामिल है।इस दौरान लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों ने शासन-प्रशासन के त्वरित समाधान कार्यवाही के लिए आभार जताया।इस दौरान अपर कलेक्टर नवीन भगत,एसडीएम सुश्री नेहा भेड़िया सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रतिभावान बच्चो को समाज प्रमुख ने किया प्रोत्साहित

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा गत दिनों 10वीं और 12वीं के नतीजे जारी किए गए परीक्षा परिणाम में पाटन राज के बच्चो ने बेहतर प्रदर्शन किया । इन बच्चों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने मनवा कुर्मी समाज पाटन राज प्रधान ने मुलाकात की बच्चों से मिलकर बधाई देते हुए आडिल ने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर समाज द्वारा हर संभव मदद की जाएगी यह बच्चे हमारे परिवार समाज व अंचल के लिए गर्व की बात है। इन बच्चों के आगे बढ़ने से हमारा समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है आडिल ने कक्षा दसवीं में उत्तीर्ण निखिल वर्मा पिता नंदकुमार वर्मा फूंडा 90.66 प्रतिशत, भाविका वर्मा पिता रमेश वर्मा 87.66 दरबार मोखली, हर्ष वर्मा पिता महेश वर्मा 86.66त्र चंगोरी, आरायाना बंछोर पिता उमेश बंछोर दरबारमोखली, सिद्धार्थ वर्मा पिता ईश्वरी वर्मा 84त्र नवागांव, हिमानी वर्मा पिता राजेश वर्मा 85त्र सोरम, सृस्टि वर्मा पिता गोल्डी वर्मा 97त्र रानीतराई, वर्षा वर्मा पिता 89.33त्र पंदर और बारहवी मे मयंक कुमार नायक पिता 84.8त्र डीड़गा, शिवांगी वर्मा पिता धर्मेंद्र वर्मा रवेली 82त्र अंक अर्जित करने वाले बच्चो और पालको से मिलकर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य का कामना किये बधाई देने वालो मे राजमंत्री केदार कश्यप युवाध्यछ राकेश आडिल उपाध्यछ विपिन बंछोर धीरेन्द्र वर्मा महिलाध्यछ रंजना वर्मा जितेश वर्मा नीलमणि वर्मा कुबेर वर्मा रेमन वर्मा शेखर वर्मा अस्वनी वर्मा के अलावा स्वजातीय उपस्थित थे।।

सुकमा में एएम/एनएस इंडिया ने 'बेटी पढ़ाओ' छात्रवृत्ति कार्यक्रम की शुरुआत की

सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने अपने प्रमुख कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल 'बेटी पढ़ाओ' छात्रवृत्ति कार्यक्रम का विस्तार छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले तक करते हुए एक सराहनीय पहल की है। इस कार्यक्रम के माध्यम से वंचित परिवारों की लड़कियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ाने और उनके शैक्षणिक लक्ष्यों को साकार करने का अवसर दिया जा रहा है।

'बेटी पढ़ाओ' छात्रवृत्ति कार्यक्रम की शुरुआत मार्च 2022 में की गई थी, और यह अब तक छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों की लगभग एक हजार वंचित युवतियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला चुका है। इस कार्यक्रम के माध्यम से एएम/एनएस इंडिया ने यह साबित किया है कि शिक्षा ही सशक्तिकरण की सबसे मजबूत नींव है।

अब, सुकमा में इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम का विस्तार कर कंपनी ने यह सिद्ध किया है कि वह शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सशक्त बनाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिले की 13 योग्य छात्राओं को कुल 1.74 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई, जो उनके शैक्षणिक भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

छात्रवृत्ति वितरण समारोह में छात्राएं, उनके माता-पिता और संबंधित स्कूलों के शिक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर छात्रा मोनिका बघेल ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं, मेरे माता-पिता भी खुश हैं कि मुझे एएम/एनएस इंडिया से छात्रवृत्ति मिली। ग्रामीण छात्रों के लिए 'बेटी पढ़ाओ' जैसी छात्रवृत्तियां वरदान की तरह हैं। इससे हमारी शैक्षणिक जरूरतें पूरी होंगी और हमें उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद मिलेगी। मैं इस अवसर के लिए एएम/एनएस इंडिया की आभारी हूं।

सुकमा जिले के,ष्ठश्वह्र प्रशाद डैनियल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, एएम/एनएस इंडिया जैसी बड़ी कंपनी से छात्रवृत्ति प्राप्त करना आसान नहीं है। चयनित छात्राएं वाकई विशेष हैं। मैं सभी छात्राओं से आग्रह करता हूं कि वे इस छात्रवृत्ति का पूरा लाभ उठाएं और स्वयं, अपने परिवार, जिले तथा देश के लिए गौरव बनें। मैं एएम/एनएस इंडिया को जिले में शिक्षा के माहौल को बेहतर बनाने के लिए धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि इन बच्चियों का भविष्य उज्ज्वल होगा।

इस अवसर पर जिले के समाजसेवी सीताराम राणा ने कहा, हमें गर्व है कि हमारे जिले की लड़कियों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया है। साथ ही, यह गर्व की बात है कि हमारे जिले में एएम/एनएस इंडिया जैसी कंपनी कार्यरत है, जो केवल स्टील नहीं बना रही, बल्कि बेटियों के सपनों को भी आकार दे रही है। ये छात्राएं भविष्य में अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगी।

कार्यक्रम में कुम्हारस प्राथमिक विद्यालय, सुकमा की मुख्याध्यापिका शीला सिंह भी उपस्थित थीं, जो अपनी तीन छात्राओं के साथ पहुंचीं। उन्होंने कहा, एक लड़की को शिक्षित करना दो परिवारों को शिक्षित करने के बराबर होता है ङ्क एक वह जिसमें वह जन्म लेती है और दूसरा वह जिसमें वह विवाह के बाद जाती है। ए एम/एनएस इंडिया की यह पहल लड़कियों के साथ-साथ उनके माता-पिता को भी उत्साहित करेगी, जिन्होंने आर्थिक संघर्षों के बावजूद अपनी बेटियों की शिक्षा का समर्थन किया है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27